दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

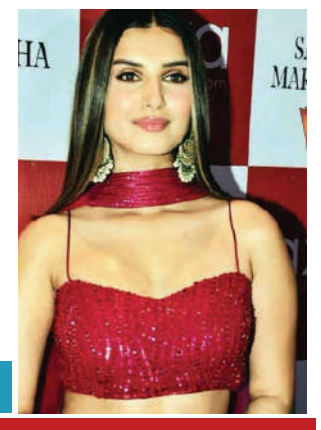

60 की उम्र में .....

कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत...

वर्ष : 12 | अंक : 133 | लखनऊ, 05 मई, मंगलवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

गंगा एक्सप्रेसवे पर फ्री सफर के बीच लग रहा चूना

बदायूं। गंगा एक्सप्रेसवे को प्रदेश सरकार 15 दिन के लिए टोल फ्री कर चुकी, इसके बावजूद वाहन

सवारों से टैक्स वसूला गया। एक मई को कार सवारों से फास्टैग या नकद शुल्क के तौर पर टोल टैक्स लिया गया। एक बाइक सवार को टोल बूथ पर रोककर 47 रुपए वसूल लिए । इनकी पर्चियां इंटरनेट पर प्रसारित हुईं तो टोल प्रबंधन ने ट्रायल के दौरान रुपए कटने का बहाना बनाया।

केरल में जली लालटेन, 1 सीट पर आरजेडी की जीत

पटना। बिहार के पूर्वी सीएम लालू प्रसाद यादव की पार्टी आरजेडी ने दक्षीण भारतीय राज्य केरल में एक

बार फिर पार्टी झंडा लहरा दिया है। केरलम विधानसभा चुनाव में कुथुपरम्बा विधानसभा सीट पर राजद के प्रत्याशी पीके प्रवीण ने जीत का परचम लहराया है। राजद कैंडिडेट ने 70448 वोट लाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की जयंती राजन को 1286 मतों से पराजित किया।

ग्रामीणों ने तस्करों की लालच को ठुकराया

गुमला। झारखंड के गुमला में पशु तस्करों ने एक लाख की लालच दी। परंतु ग्रामीणों ने तस्करों की

लालच को ठुकराते हुए ट्रक में ठूंस कर लादे गए मवेशियों से भरी ट्रक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। यह कार्रवाई बाइपास रोड अरमई के समीप की गई।

योगी ने कहा था- ममता बनर्जी सिंहासन खाली करो, भाजपा आ रही है

पश्चिम बंगाल चुनाव में सीएम योगी के भाषणों की गूंज देश भर में सुनाई देती रही। उन्होंने वहां ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां और रोड शो किए। जिन-जिन क्षेत्रों में सीएम योगी गए वहां-वहां भाजपा को शानदार बढ़त मिली है। बंगाल चुनाव में सीएम योगी ने मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए ममता बनर्जी सरकार को जमकर लताड़ लगाई।

यूपी में बंगाल विजय का जश्न, योगी ने मंत्रियों को खिलाई मिठाई, हिट रहे 'बुलडोजर बाबा', कुछ यूं बदली चुनावी हवा

अमन लेखनी समाचार/ लखनऊ,

पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के चुनावी नतीजों में भाजपा की ऐतिहासिक बढ़त पर उत्तर प्रदेश में भी जश्न मनाया जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार शाम लखनऊ में कैबिनेट मीटिंग से पहले मंत्रियों को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजे सबसे खास हैं जहां पहली बार कमल खिला है। पश्चिम बंगाल में भाजपा के पक्ष में चुनावी बयार बहाने में सीएम योगी की भी बड़ी भूमिका रही है। पिछले 15 सालों से अभेद्य रहे दीदी (ममता बनर्जी) के इस दुर्ग ढहाकर 'बुलडोजर बाबा' ने बंगाल में भी शासन के यूपी मॉडल को हिट साबित कर दिया।

जिन क्षेत्रों में सीएम योगी गए वहां भाजपा को शानदार बढ़त मिली

सीएम योगी ने पश्चिम बंगाल में ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां और रोड शो किए। जिन-जिन क्षेत्रों में सीएम योगी गए वहां-वहां भाजपा को शानदार बढ़त मिली है। बंगाल चुनाव में सीएम योगी ने हिन्दुत्व की पिच पर लगातार भाषण दिए। उन्होंने मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए ममता बनर्जी सरकार को जमकर लताड़ लगाई। पश्चिम बंगाल चुनाव में सीएम योगी के भाषणों की गूंज देश भर में सुनाई देती रही। सीएम योगी ने माथाभांगा और धुपगुड़ी की चुनावी जनसभाओं में जब लोगों से कहा- आप चिंता मत कीजिए। टीएमसी के गुंडे आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे तो वहां जमकर तालियां बजीं। सीएम योगी ने जब कहा- ममता बनर्जी सिंहासन खाली करो, भाजपा आ रही है तो भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह देखते ही बनता था।

तृणमूल कांग्रेस को मुस्लिम तुष्टिकरण से फुर्सत नहीं

पश्चिम बंगाल चुनाव में सीएम योगी के भाषणों का असर ही था कि वहां लगभग हर क्षेत्र में उनकी सभाएं कराने की डिमांड रही। सीएम योगी ने ममता बनर्जी पर सीधे और तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि ममता दीदी को हिंदुओं और जय श्री राम के उद्घोष से चिढ़ है। तृणमूल कांग्रेस को मुस्लिम तुष्टिकरण से फुर्सत नहीं है।

योगी कैबिनेट की बैठक में 27 प्रस्तावों को मंजूरी

काशी समेत पांच जिलों में बनेंगे टेक्सटाइल पार्क, लखनऊ में पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

योगी कैबिनेट की बैठक में 27 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने वाराणसी में टेक्सटाइल पार्क विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके अलावा अमरोहा, बरेली, संतकबीर नगर और बिजनौर की बंद पड़ी कताई मिलों की जमीन पर भी टेक्सटाइल पार्क विकसित किए जाएंगे...

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / लखनऊ,

लोकभवन में आयोजित योगी कैबिनेट की बैठक में सोमवार को 27 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में प्रदेश के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई अहम फैसले लिए गए। कैबिनेट ने वाराणसी में टेक्सटाइल पार्क विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके अलावा अमरोहा, बरेली, संतकबीर नगर और बिजनौर की बंद पड़ी कताई मिलों की जमीन पर भी टेक्सटाइल पार्क विकसित किए जाएंगे। सरकार का उद्देश्य इन निष्क्रिय परिसंपत्तियों का उपयोग कर प्रदेश में निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा करना है।

बताया गया कि लखनऊ में तैयार टेक्सटाइल पार्क का जल्द उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। सरकार की योजना है कि प्रदेश में बंद पड़ी सभी कताई मिलों की जमीनों का इस्तेमाल टेक्सटाइल पार्क और औद्योगिक गतिविधियों के लिए किया जाए। सरकार का मानना है कि इससे वस्त्र उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित होंगे और उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल हब के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

रिसर्च असोसिएट का कार्यकाल 2 साल से बढ़ाकर 3 साल किया गया

कैबिनेट ने रिसर्च असोसिएट का कार्यकाल 2 साल से बढ़ाकर 3 साल करने का निर्णय लिया। वृक्षारोपण अभियान के लिए 147 करोड़ रुपए की मांग स्वीकृत की गई है, जिसमें 30 प्रतिशत फलदार पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सरकार हर जिले में एक विश्वविद्यालय स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है।

653 करोड़ से बनाए जाएंगे 400-220 केवीए का पावर स्टेशन

औद्योगिक विकास को ध्यान में रखते हुए नोएडा, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में 400-220 केवीए का पावर स्टेशन स्थापित किया जाएगा, जिस पर 653 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इससे मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, फिल्म सिटी व डाटा सेंटर जैसी परियोजनाओं को बेहतर बिजली आपूर्ति मिल सकेगी।

कोलकाता की जीत में 'हरियाणा मॉडल' की छाप : नायब सैनी

चंडीगढ़। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की बंपर और ऐतिहासिक जीत ने केवल बंगाल में ही नहीं बल्कि पूरे देश में एक नया संदेश दिया है। इस जीत में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भी पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर अहम भूमिका रही, जिससे नायब सैनी को राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी राजनेता के रूप में मजबूती मिली है। नायब सैनी की कार्यशैली, जो सादगी, जमीनी कनेक्ट और तेज़ फैसलों के लिए जानी जाती है, अब केवल हरियाणा तक सीमित नहीं रही। हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार के बाद पश्चिम बंगाल में पार्टी को मिली सफलता ने यह दिखा दिया है कि नायब सैनी राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना प्रभाव रखते हैं।

जहां चुनाव प्रचार किया वहां सभी प्रत्याशी जीते

पार्टी द्वारा संचालित चुनाव प्रचार अभियान के तहत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पश्चिम बंगाल में परिवर्तन यात्रा के दौरान सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने मेदिनीपुर जिले के मोयना विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया। इसके उपरांत वे हुगली नदी के तट पर स्थित श्रीरामपुर पहुंचे, जहां उन्होंने मास्कर भट्टाचार्य (श्रीरामपुर), दिलीप सिंह (चम्पादनी), देबासिस मुखर्जी (चांदीतला), प्रसनजीत बाग (जंगीपारा) और दीपांजन चक्रवर्ती (उत्तरपरा) के नामांकन कार्यक्रमों में भाग लेकर सभी उम्मीदवारों को विजय भव का आशीर्वाद दिया।

जैमिका को भारत का खास तोहफा, सबीना पार्क को दिया इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड

रनों, सम्मान और दोस्ती से लिखी गई भारत और जमैका के संबंधों की कहानी: जयशंकर

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारत और जमैका के संबंधों में 'क्रिकेट' न केवल एक मजबूत सांस्कृतिक पुल के समान मौजूद है। बल्कि दोनों देशों की कहानी रनों, सम्मान और दोस्ती से लिखी गई है। यह जानकारी विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने बीते रविवार को प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस के साथ जमैका के ऐतिहासिक सबीना पार्क में भारत की ओर से भेंट किए गए एक आधुनिक और डिजिटल स्कोर बोर्ड का उद्घाटन करते हुए दी है। उन्होंने ये भी कहा कि खेल देशों को आपस में जोड़ते हैं, साझा अनुभव बनाते हैं और आपसी सम्मान में बढ़ोतरी करते हैं। दोनों देशों के लिए क्रिकेट विशेष महत्व रखता है।

जयशंकर ने उम्मीद जताई कि यह स्कोरबोर्ड आने वाली कई पारियों को गिने। जिनमें से एक भारत और जमैका की दोस्ती की पारी हो। यहां बता दें कि सबीना पार्क जमैका की क्रिकेट टीम का घर है। इसके अलावा यह इस द्वीपीय देश का एकमात्र टेस्ट क्रिकेट ग्राउंड भी है। भारत के विदेश मंत्री पिछले सप्ताह शनिवार को अपने तीन कैरेबियाई देशों (जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद-टोबैगो) की 9 दिवसीय यात्रा के पहले पड़ाव के रूप में जमैका पहुंचे हैं। जिसका उद्देश्य भारत के इन देशों के साथ रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान करना है।

भौगोलिक दूरी का कोई महत्व नहीं

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और जमैका के बीच मौजूद भौगोलिक दूरी के बावजूद दोनों वैश्विक दक्षिण समूह के विकासशील देशों के रूप में समान इतिहास और आकांक्षाओं के साथ आपस में जुड़े हुए हैं। हम बेहद करीब हैं और हमने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी अपनी एक जगह बनाई है। जयशंकर ने तूफान और उसके अलावा कोरोनाकाल जैसे चुनौतीपूर्ण समय में भारत द्वारा दवाओं और वैक्सीन के जरिए जमैका को दिए गए सहयोग को याद किया।

भारतीय समुदाय, पीएम होल्नेस से मिले जयशंकरउन्होंने जमैका पहुंचने पर वहां रह रहे भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की और उसे आनंददायक बताते हुए कहा, प्रधानमंत्री होल्नेस के गर्मजोशी से भरे भाषणों को सुनकर अच्छा लगा। जिसमें उन्होंने अपने अनेक योगदानों के बारे में जानकारी दी है।

द्रविड़ के शतक को किया याद

जयशंकर ने सबीना पार्क के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा यह ग्राउंड भारतीय क्रिकेट से जुड़ी हुई कुछ खास यादों को संजोए हुए है। जिसमें प्रसिद्ध क्रिकेटर राहुल द्रविड़ द्वारा लगाया गया शतक और वर्ष 2011 में विराट कोहली द्वारा की यहां से की गई अपने टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत मुख्य रूप से शामिल है। इस लिहाज से आज का यह क्षण दोनों देशों के संबंधों के लिए भी प्रतीक के समान है। भारत, जमैका के संबंध या फिर उनकी कहानी रनों, सम्मान और दोस्ती में लिखी गई है।

बताए स्कोर बोर्ड के फायदे

जयशंकर के मुताबिक, यह एक 'स्टेट ऑफ द आर्ट' आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड है। जो जमैका के क्रिकेट प्रेमियों के क्रिकेट देखने के अनुभव को शानदार और यादगार बनाएगा। साथ ही यह हमारे बीच मौजूद क्रिकेट साझेदारी में भी मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने इसे दोनों देशों के बीच सद्भावना का प्रतीक बताया और यह उम्मीद जताई कि यह कई यादगार इनिंग का गवाह बनेगा। जिसमें खासतौर पर भारत, जमैका की बढ़ती हुई दोस्ती भी शामिल रहेगी।

जमैका ने दिए कई महान खिलाड़ी

विदेश मंत्री ने कहा कि जमैका का क्रिकेट के मामले में बेहद समृद्ध इतिहास रहा है और उसे इसे लेकर दुनियाभर में काफी सम्मान भी मिला है। यह जमैका ही है, जिसने जॉर्ज हेडली, माइकल होल्डिंग, कर्टनी वाल्श, क्रिस गेल और एंड्रयू रिचर्डसन जैसे महान खिलाड़ी दिए हैं।

कैरेबियाई देश के क्रिकेट खिलाड़ियों को भारतीय प्रशंसकों से भी काफी सहयोग मिलता रहा है। जिसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) भी शामिल है। जिस तरह से देश आपस में सहयोग और प्रतियोगिता करते हैं।

कहा, अपनी सीमा विस्तार के इच्छुक नहीं, पहले से नेपाल के पास ही है लिपुलेख का इलाका

बेअसर साबित हुई भारत की फटकार...नेपाल ने लिपुलेख पर दोहराया अपना दावा

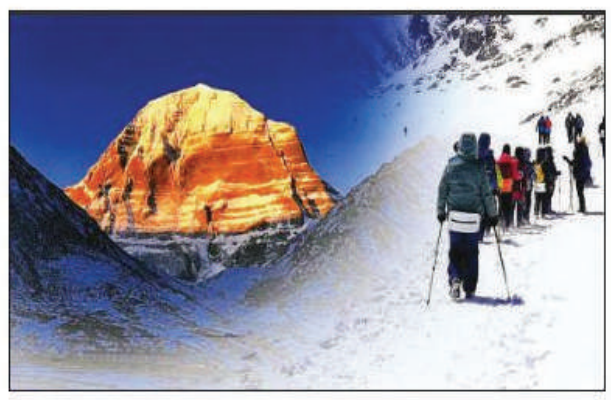

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए प्राचीन परंपरागत मार्ग लिपुलेख के इस्तेमाल को लेकर जताई गई आपत्ति के बाद भारत द्वारा दिए गए दो टूक जवाब से नेपाल पर कोई खास असर नहीं पड़ा है।

सोमवार को उसने एक बार फिर से उत्तराखंड में पड़ने वाले इस इलाके को अपना अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि इस संबंध में उसकी मंशा अपनी सीमाओं का विस्तार करने की कतई नहीं है। बल्कि यह इलाका पहले से ही उसका है और नेपाल सरकार का रुख भी इसे लेकर न केवल पूरी तरह से साफ है। बल्कि वह इस बाबत पूरी तरह से प्रतिबद्ध भी है। यह जानकारी 4 मई को नेपाल सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने मीडिया से बातचीत में दी है।

लिपुलेख, नाथुला से होगी यात्रा

भारत के विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह जून से अगस्त महीने में लिपुलेख (उत्तराखंड) और नाथुला (सिक्किम) जैसे दो मार्गों से कैलाश मानसरोवर यात्रा कराने की घोषणा की थी। जिसमें कुल 20 बैच में 1 हजार तीर्थयात्रियों को इसके लिए अनुमति देने और 19 मई से रजिस्ट्रेशन की शुरुआत करने की बात कही गई है। नेपाल की कर उसने अपनी चिंता को न केवल भारत बल्कि चीन के सामने भी उठाया है। नेपाल ने अपने विरोध में यह तर्क भी दिया है कि वह लगातार भारत के सामने इस इलाके से सीमाई व्यापार, ढांचागत निर्माण या किसी तरह की तीर्थयात्रा न कराए।

कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता का विश्वास सबसे बड़ी पूंजी : मुख्यमंत्री धामी

देहरादून (उत्तराखंड)। देश के विभिन्न राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को मिले चुनावी समर्थन के बाद देहरादून स्थित प्रदेश मुख्यालय में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के परिणामों ने कार्यकताओं में नई ऊर्जा भर दी, जिसका असर राजधानी में आयोजित इस जश्न में साफ दिखाई दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पार्टी कार्यालय पहुंचकर कार्यकर्ताओं के साथ सीधे जुड़ाव का संदेश दिया। उन्होंने औपचारिक मंच से दूर रहकर कार्यकर्ताओं के बीच बैठना पसंद किया और उनसे खुलकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय अंदाज में झालमुड़ी का स्वाद लेते हुए सहज वातावरण में समय बिताया, जिससे कार्यक्रम में आत्मीयता का भाव और गहरा हो गया। मुख्यमंत्री धामी ने अपने संबोधन में कहा कि चुनावी सफलता किसी एक चेहरे या नेतृत्व की नहीं, बल्कि संगठन की सामूहिक प्रतिबद्धता का परिणाम होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा की कार्यप्रणाली सेवा, समर्पण और सुशासन पर आधारित है, और यही सिद्धांत जनता के बीच पार्टी को लगातार मजबूत बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में पार्टी को समर्थन मिला है, वहां के मतदाताओं ने विकास और स्थिरता को प्राथमिकता देते हुए अपना जनादेश दिया है। यह परिणाम आने वाले समय में उन राज्यों में नई नीतियों और विकास योजनाओं को गति देगा। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से जमीनी कार्यकर्ताओं की भूमिका को सराहा और कहा कि पार्टी की वास्तविक ताकत वही लोग हैं जो गांव-गांव, बूथ-बूथ तक जाकर संगठन को जीवंत बनाए रखते हैं।

घर से मोबाइल फोन और गहने चोरी,गांव के ही युवक पर शक,रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में एक महिला के घर से बीते दिनों मोबाइल फोन और गहने चोरी हो गए। इस मामले में सरोजनी नगर के हिंदू खेड़ा, अमौसी निवासी महिला राम जानकी रावत ने गांव के ही विनय उर्फ छोटू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। राम जानकी के मुताबिक बीती 21 अप्रैल 2026 को उसके घर पर बोरिंग का कार्य चल रहा था। रात में बोरिंग करने वाले मजदूर खाना खाने चले गए और रात 10 बजे लौटे। लेकिन बाद में काम नहीं शुरू किया और सुबह आने की बात कहकर चले गए। उसी दौरान रात करीब 12:30 बजे अज्ञात व्यक्ति घर में घुसकर उनका मोबाइल फोन चोरी कर ले गया। सुबह उठने पर मोबाइल गायब मिला, तब पीड़िता ने इसकी सूचना ऑनलाइन माध्यम से पुलिस को दी। पीड़िता का कहना है कि 27 अप्रैल को गांव में एक बारात में जाने के लिए जब उसने अपनी आलमारी खोली तो उसमें रखे सोने का माला, लगभग 200 ग्राम की पायल और करीब एक पाव की हाफ पेटी भी गायब मिली। महिला ने गांव के ही विनय उर्फ छोटू पर चोरी का शक जताया है। उसका कहना है कि घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में घर के अन्दर घुसता विनय ही दिखाई दे रहा है। फिलहाल पुलिस ने राम जानकी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है।

लविवि कर्मचारियों ने उच्च शिक्षा प्रमुख से की मुलाकात

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में व्याप्त प्रशासनिक अराजकता, शासन के निर्देशों व शासनादेशों का खुला उल्लंघन और कार्यकारी कर्मचारी समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाते हुए उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष डॉ. संजय शुक्ला और लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष राकेश यादव ने प्रदेश के प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल से मुलाकात की। कर्मचारी नेताओं ने प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को दो ज्ञापन सौंपा और जिस पर प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा से बहुत विन्दुवार चर्चा की।

हर व्यक्ति को न्याय दिलाना सरकार की प्रतिबद्धता - केशव प्रसाद मौर्य

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैंप कार्यालय पर ह्यजनता दर्शनह्ल के माध्यम से विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना तथा त्वरित, प्रभावी और न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए कई सैकड़ा लोगों की व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के स्पष्ट निर्देश दिए। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, वृद्धजन व युवा उपस्थित रहे, जिन्होंने अपनी समस्याओं को सीधे उप मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। अधिकतर प्रकरणों में भूमि विवाद, राजस्व संबंधित मुद्दे, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, बिजली-पानी की समस्याएं, पुलिस कार्यवाही से सम्बन्धित, शिक्षा एवं रोजगार से जुड़े मामले रहे श्री मौर्य ने कहा कि जनता दर्शन आमजन से सीधे संवाद का माध्यम है, जिससे जमीनी हकीकत सामने आती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही न हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन मामलों में आवश्यक हो, वहां मौके पर जाकर निरीक्षण किया जाए और पीड़ितों को समयबद्ध राहत प्रदान की जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरतमंदों व पात्र लोगों को हर सम्भव सरकारी सुविधाओं का भरपूर लाभ मिलना ही चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि सरकार आम जनता की भलाई के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और जनहित सर्वोपरि है। श्री मौर्य ने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान हेतु सरकार हर संभव कदम उठाएगी और कोई भी पीड़ित निराश न लौटे—यही प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। श्री मौर्य ने जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने फरियादियों को विश्वास दिलाते हुये कहा कि परेशान न हो, समस्याओं का समाधान भी होगा, सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाएं भी मिलेंगी। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार -बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जमीन सम्बन्धी अधिकांश प्रकरणों में उन्होंने सम्बन्धित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाय और सार्थक समाधान कराया जाय।

सड़क हादसे में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

हादसा

अमन लेखनी समाचार

मृतक सुनील फाइल – फोटो

लखनऊ। खेत से पैदल घर लौट रहे युवक को अज्ञात वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिससे युवक छिटक कर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रहीमाबाद थाना क्षेत्र बलदेव खेड़ा निवासी सुनील कुमार (28) सोमवार रात खेत में काम खत्म कर पैदल वापस कर लौट रहा था। तभी रहीमाबाद गहदो मार्ग पर पीछे से तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे छिटक कर दूर जा गिरा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान सोमवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। मृतक सुनील की एक वर्ष पहले शादी हुई थी। मृतक के परिवार में पत्नी सुभाषिनी गर्भवती है। जिनका रो-रो कर बुराहाल है।

मौसम खराब होने के कारण लखनऊ एयरपोर्ट कई विमान डाइवर्ट

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। दिल्ली में बीती रात अचानक मौसम खराब होने के कारण विमान संचालन प्रभावित हो गया। इसकी वजह से कई विमानों को दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति नहीं मिल सकी। इसके कारण अलग-अलग स्थानों से दिल्ली पहुंचने वाली तीन अंतरराष्ट्रीय सहित 15 उड़ानों को डायवर्ट कर लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, काठमांडू से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की उड़ान (एआई-212) रात 11:47 बजे लखनऊ पहुंची। इसके अलावा औरंगाबाद से दिल्ली जाने वाली इंडिगो (6ई-6257), गुवाहाटी से एयर इंडिया एक्सप्रेस (आईएक्स-1042), मुंबई से एयर इंडिया (एआई-2986) और कोयंबटूर से इंडिगो (6ई-2409) की उड़ानों को भी देर रात लखनऊ डायवर्ट किया गया। वहीं हैदराबाद, नासिक, बेंगलुरु और जयपुर से दिल्ली जाने वाली कई अन्य उड़ानें भी अलग-अलग समय पर लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर उतरीं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सिंगापुर से दिल्ली जा रही इंडिगो की, मस्कट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की और फुकेट से दिल्ली जा रही इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान भी लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरी। सूत्रों ने बताया कि इन सभी विमानों को सुरक्षा कारणों से लखनऊ में उतारा गया। जहां उक्त सभी विमान काफी देर तक खड़े रहे। बाद में दिल्ली का मौसम सामान्य होने पर सभी विमानों को थोड़े-थोड़े अंतराल के बाद लखनऊ से दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया। वहीं सोमवार सुबह भी मौसम का असर जारी रहा। इसकी वजह से दिल्ली सेसुबह 7:20 बजे रवाना होकर 8:30 बजे लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई-6476) लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग नहीं कर सकी। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि मौसम खराब होने के कारण यह विमान आज दिल्ली से 7:20 के बजाय 8:02 बजे रवाना हुआ था। इस विमान में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य सवार थे। यह उड़ान लखनऊ पहुंचने पर काफी देर तक आसमान में चक्कर काटती रही, लेकिन अनुमति न मिलने पर इसे भोपाल के लिए डायवर्ट कर दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस सप्ताह पर पीजीआई में रक्तदान शिविर, नर्सिंग स्टाफ ने दिखाई सेवा भावना.....

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई, लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस सप्ताह 2026 के अवसर पर संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान में सोमवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन और स्वास्थ्यकर्मियों के बीच रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना रहा।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चीफ नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती मंजू सिंह रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में नर्सिंग स्टाफ की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ होती हैं और मरीजों की सेवा में उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।शिविर में नर्सिंग स्टाफ के साथ-साथ संस्थान के अन्य कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत सुरेन्द्र कटियार ने प्रथम रक्तदाता बनकर की, जबकि संजय मित्तल दूसरे रक्तदाता रहे। इसके अलावा महेश गुप्ता सहित कई कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।रक्तदान करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर के सफल आयोजन में ब्लड बैंक टीम और नर्सिंग स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके समन्वय और मेहनत से पूरा कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।इस अवसर पर कमलेश वर्मा, इन्दु यादव, शालिनी, अनीता वाल्टर, संगीता सक्सेना, निर्मला समेत विभिन्न वार्डों की इंचार्ज भी मौजूद रहीं और उन्होंने भी शिविर को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।पीजीआई प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प दोहराया। प्रशासन का कहना है कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और जरूरतमंद मरीजों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है।

(एसीपी) के नेतृत्व में सरोजनी नगर क्षेत्र में व्यापक पैदल गश्त

संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से सोमवार शाम एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा के नेतृत्व में सरोजनी नगर क्षेत्र में व्यापक पैदल गश्त अभियान चलाया गया। इस दौरान सरोजनी नगर थाना प्रभारी राजदेव राम प्रजापति व भारी पुलिस बल मौजूद रहा। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने कानपुर रोड स्थित गौरी साप्ताहिक बाजार, स्कूटर इंडिया चौराहा और हाइडिल क्षेत्र का निरीक्षण किया।अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखना, अपराधियों में भय उत्पन्न करना और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना था। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग की गई। इस दौरान एसीपी रजनीश वर्मा और थाना प्रभारी राजदेव राम प्रजापति ने स्थानीय लोगों और व्यापारियों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं पीएनसी और नेशनल हाईवे द्वारा चल रहे हाईवे निर्माण कार्य को लेकर व्यापारियों के साथ समीक्षा भी की गई। व्यापारियों ने निर्माण कार्य से जुड़ी कुछ समस्याएं पुलिस अधिकारियों के सामने रखीं, जिनके समाधान का आश्वासन दिया गया। पुलिस का कहना है कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे, जिससे कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बना रहे।

एआई आधारिक कॉर्डियक इमेजिंग और डिजिटल कैथलैब सिस्टम इलाज में कारगर: डा. भुवन

- एसोसिएशन ऑफ कार्डियक टेक्नोलॉजिस्ट (एओसीटी) की ओर से कार्डियोवैस्कुलर टेक्नोलॉजिस्ट कॉन्फ्रेंस

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। दिल की बीमारी बढ़ी तो नई दवाएं और इलाज की तकनीक में बदलाव आया है। यह जानकारी गोमतीनगर स्थित राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में कॉर्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डा. भुवन चन्द्र तिवारी ने सोमवार को एसोसिएशन ऑफ कार्डियक टेक्नोलॉजिस्ट (एओसीटी) की ओर से कार्डियोवैस्कुलर टेक्नोलॉजिस्ट कॉन्फ्रेंस दी।

कानपुर रोड स्थित होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में डा. भुवन चन्द्र तिवारी ने कहा कि एआई आधारित कार्डियक इमेजिंग और डिजिटल कैथलैब सिस्टम आने वाले समय में इलाज की गुणवत्ता और सटीकता को नई ऊंचाई देंगे। आधुनिक कैथलैब अब पूरी तरह डिजिटल और स्मार्ट होते जा रहे हैं, इनमें हाई-रिजॉल्यूशन इमेजिंग, रियल-टाइम डेटा एनालिसिस और ऑटोमेटेड रिपोर्टिंग जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

लोहिया संस्थान में कॉर्डियक टेक्नोलॉजिस्ट प्रियरंजन पांडेय ने कहा कि एआई आधारिक कॉर्डियक इमेजिंग की मदद से दिल की धमनियों में ब्लॉकेज, रक्त प्रवाह और ऊतकों की स्थिति का बेहद सटीक आकलन संभव हो गया है। पीजीआई कॉर्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. आदित्य कपूर ने कहा कि आधुनिक कैथलैब में कार्डियोवैस्कुलर टेक्नोलॉजिस्ट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। जटिल एंजियोप्लास्टी, टावी, एएसडीए-वीएसडी क्लोजर, सीटीओ इंटरवेंशन एवं इंट्रावास्कुलर इमेजिंग जैसी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजिस्ट की तकनीकी दक्षता मरीज की सुरक्षा एवं सफल उपचार में अहम योगदान देती है।

कैथलैब टेक्नोलॉजिस्ट न केवल मशीनों का संचालन करते हैं, बल्कि वे डॉक्टरों की टीम का एक मजबूत स्तंभ बनकर कठिन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय, सटीक इमेजिंग एवं बेहतर प्रोसीजर सपोर्ट प्रदान करते हैं। ऑर्गनाइजिंग प्रेसिडेंट मातवर शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटल बदलाव के इस दौर में एआई और स्मार्ट सिस्टम का समावेश मरीजों को बेहतर, सुरक्षित और त्वरित इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में लोहिया संस्थान में कॉर्डियोलॉजी विभाग के डॉ. आशीष झा, डॉ. गौतम स्वरूप, शिवदयाल, संतोष कुमार, मीडिया प्रभारी राजेश ठाकुर मौजूद रहे।

ग्रीन कॉरिडोर पर सैन्य शक्ति का प्रतीक बनेगा तेजस

लखनऊ। नव निर्मित ग्रीन कॉरिडोर पर स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस का शानदार मॉडल स्थापित होगा। यह न सिर्फ शहर को नयी पहचान देगा, बल्कि सैन्य शक्ति का प्रतीक बनकर युवाओं को प्रेरित करेगा। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की पहल पर यह कार्य कराया जा रहा है। उनकी अनुशंसा पर हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की ओर से लाइट कॉम्बेट एयरक्रॉफ्ट तेजस के मॉडल को बंगलुरू से मंगाया है। फिलहाल इसे जनेश्वर मिश्र पार्क में सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने बताया कि समतामूलक चौराहे के पास ग्रीन कॉरिडोर के इंट्री प्वाइंट पर यह मॉडल लगाया जाएगा। साथ ही इस रोटरी को तेजस चौराहे का नाम दिया जाएगा। उपाध्यक्ष ने बताया कि तेजस का मॉडल स्थापित करने के लिए स्थल पर फाउंडेशन और सौंदीर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है। लगभग 15 दिन में कार्य पूर्ण कराकर मॉडल को जनेश्वर मिश्र पार्क से ग्रीन कॉरिडोर की रोटरी पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। जहां सफर करने वाले हजारों लोग भारतीय वायुसेना के गौरव के साक्षी बन सकेंगे। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि तेजस का यह मॉडल 15 फिट लंबा है, जबकि इसके पंखों की चौड़ाई 9.5 फिट है। यह मॉडल हू-ब-हू असली तेजस विमान जैसा है और इसका वजन लगभग 200 किलोग्राम है। उन्होंने बताया कि तेजस का यह मॉडल लखनऊ की रक्षा क्षेत्र में बढ़ती भागीदारी और सैन्य शक्ति को दर्शायेगा।

1912 पर शिकायत का फर्जी निस्तारण, होगी सख्त कार्रवाई

- स्मार्ट मीटर लगने के बाद 36 हजार से अधिक उपभोक्ताओं ने पहली बार बिल जमा किया
- संविदा कर्मी निकाले जाने के बाद दोबारा नही रखे जायेंगे

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत निगम के टोल फ्री 1912 पर शिकायतों का फर्जी निस्तारण करने वाले इंजीनियरों पर कार्रवाई की जाएगी। निगम की एमडी रिया केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि जो संविदाकर्मी दोषी होने पर निकाले गये है उन्हे फिर से किसी और कार्य में नही रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि यदि उपभोक्ता क्षेत्र में बिजली बंदी या बार-बार ट्रिपिंग की समस्या, गलत बिजली बिलों का संशोधन, खराब या पुराने मीटरों को बदलने, लोड बढ़ाने या कम करने संबंधी आवेदन, नए बिजली कनेक्शन की प्रक्रिया में होने वाली देरी की शिकायत करता है तो समय सीमा के भीतर समाधान होना चाहिए।

हालांकि सिस्टम की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मध्यांचल निगम की एक विशेष टीम रोजाना उपभोक्ताओं को रैंडम कॉल कर रही है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम में बिजली चोरी और बिल भुगतान न करने वाले उपभोक्ताओं पर शिकंजा कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। । मध्यांचल निगम ने 13 मार्च से अब तक 14.21 लाख प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए। जिनपर 315 करोड़ रुपये का बकाया था, लेकिन 357 करोड़ रुपये जमा हुए।

यानि 42 करोड़ रुपये पोस्टपेड का बकाया भी वसूला गया। वहीं पिछले छह महीने में 2.38 लाख उपभोक्ताओं ने बिल जमा नहीं किया था, लेकिन प्रीपेड मीटर लगने के बाद 1.29 लाख उपभोक्ताओं ने बिल जमा किया। यानि 54.38 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने पैसा जमा किया। निगम की एमडी ने बताया कि कुल 86,400 ऐसे उपभोक्ता चिन्हित किए गए थे, जिन्होंने कनेक्शन लेने के बाद से आज तक कभी भी (नेवर पेड) अपने बिजली बिल का भुगतान नहीं किया था, लेकिन स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद 42 फीसदी यानि 36,450 उपभोक्ताओं ने बिल जमा किया।

इसके बावजूद लगभग 50 हजार उपभोक्ता अभी भी रडार पर है। निगम अब इन उपभोक्ताओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है, जिसमें कनेक्शन काटने से लेकर विधिक कार्रवाई तक शामिल हो सकती है।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर उपभोक्ताओं को जागरूक किया जा रहा है। टोल फ्री 1912 पर फर्जी निस्तारण करने वाले इंजीनियरों पर कार्रवाई की जाएगी।
रिया केजरीवाल
एमडी, मध्यांचल विद्युत निगम

महिल ने अपने पति और सास पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के पिपरसण्ड में रहने वाली महिला स्मृति सिंह ने अपने पति विवेक सिंह और सास कुसमा सिंह पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। स्मृति सिंह के मुताबिक उनका विवाह करीब दस वर्ष पहले विवेक सिंह से हुआ था। स्मृति का कहना है कि ससुर की मौत के बाद पति का व्यवहार बदल गया और वह नशे का आदी हो गया। आरोप है कि वह आए दिन शराब व गांजा के नशे में मारपीट करता है और मायके से पैसे लाने का दबाव बनाता है। पीड़िता का कहना है कि 12 अप्रैल 2026 की रात पति नशे में धुत होकर उसके साथ मारपीट करने लगा। बचने के लिए पीड़िता भाग तो सास कुसमा सिंह ने भी मिलकर उसके साथ पिटाई कर दी। बाद में जान बचाने के लिए वह कमरे में बंद हो गई। पीड़िता का कहना है कि अगले दिन उसने उन्नाव जिले के अजगैन थाना अंतर्गत गौरा कठेरवा निवासी अपने भाई शशी वर्धन को सूचना दी। जिससे सूचना पाकर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़िता का कहना है कि उसके पति और सास ने पीड़िता के भाई की मौजूदगी में उसे जान से मारने की धमकी दी। फिलहाल पीड़िता की तहरीर पर पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

अज्ञात चोरों ने विद्युत ट्रांसफार्मर से कॉपर और तेल किया चोरी,रिपोर्ट

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना अंतर्गत 11 केवी एंड एलटी, भटगांव पावर हाउस के अवर अभियंता विनय कुमार ने बीते दिनों सरोजनी नगर क्षेत्र में अज्ञात चोरों द्वारा विद्युत ट्रांसफार्मर से हुए कॉपर और तेल चोरी मामले की सरोजनी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। विनय कुमार के मुताबिक सरोजनी नगर के 11 केवी गहरु पोषक से पोषित गहरु स्थित नवोदय विद्यालय के सामने लगे 63 केवीए ट्रांसफार्मर को चोरों ने बीती 28 फरवरी की रात डबल पोल से नीचे गिरा दिया। इसके बाद उसमें भरा तेल निकालकर ट्रांसफार्मर को खोल दिया और अंदर लगा कॉपर जाब चोरी कर लिया। अगले दिन सुबह करीब 9:30 बजे ग्रामीणों ने इसकी सूचना विभागीय संविदा कर्मी प्रदीप कुमार को दी। सूचना पर पहुंचे कर्मचारियों ने मौके का निरीक्षण किया, जहां ट्रांसफार्मर का ढांचा पड़ा मिला। अगर अभियंता के मुताबिक इस चोरी से बिजली विभाग को लगभग 1.69 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। फिलहाल अवर अभियंता विनय कुमार की तहरीर पर सरोजनी नगर पुलिस मामला दर्ज कर चोरों का सुराग लगाने में जुट गई है।

लविवि में फीस वृद्धि को लेकर प्रदर्शन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमे बड़ी संख्या में छात्रों ने इस फैसले की निंदा करते हुए आक्रोश जताया। लखनऊ विश्वविद्यालय गेट संख्या 1 डीएसडब्लयू कार्यालय के बाहर चार घंटे धरने के बाद कुलपति को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें सत्र 2025-26 के अपेक्षा सत्र 2026-27 में लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रति सेमेस्टर शिक्षा शुल्क बड़े स्तर पर विवि प्रशासन द्वारा बढ़ा दिया जाना जैसे, बी.ए ऑनर्स, बी.कॉम ऑनर्स, बी.ए एल.एल.बी, एम.एस.सी बायोटेक, एम.एस.सी बायोकेम आदि। प्रदर्शनकारी छात्रों ने बताया कि यह निर्णय बड़ी संख्या में छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित करने वाला है, इस तरह के फैसले राष्ट्र निर्माण के लिए गति अवरोधक साबित हो सकता है।

न्यायालय के स्थगन आदेश के बावजूद जमीन पर निर्माण कराने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र के सरवन नगर निवासी सैयद हिसामुद्दीन हुसैन ने बिजनौर के इंद्र बहादुर सिंह और एक दो अन्य अज्ञात के खिलाफ न्यायालय के स्थगन आदेश के बावजूद जमीन पर निर्माण कराने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मूल रूप से अयोध्या जिले के कुसहरी, रिदौली और वर्तमान में बिजनौर के सरवन नगर निवासी पीड़ित सैयद हिसामुद्दीन के मुताबिक वह इकबाल अशरफ की भूमि का मुख्तारेआम है और उनकी जमीनों की देखरेख का काम देखता है। पीड़ित का कहना है कि इकबाल अशरफ की भूमि खसरा संख्या 2250 से संबंधित बंटवारे का मामला उपजिलाधिकारी सरोजनीनगर न्यायालय में विचाराधीन है। जिस पर 4 फरवरी 2025 को स्थगन आदेश भी जारी किया गया था। आरोप है कि इसके बावजूद 2 मई 2026 को इन्द्र बहादुर सिंह, सत्य प्रकाश और अन्य अज्ञात लोगों ने उक्त भूमि पर जबरन निर्माण कार्य शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पीड़ित ने अपने सहयोगी मुसीर अहमद को मौके पर भेजा, जहां आरोप है कि दबंगों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और न्यायालय के आदेश को न मानने की बात कही। तब इसकी सूचना पुलिस और तहसील में दी गई। सूचना के बाद लेखपाल और पुलिस पहुंचने पर आरोपी दोबारा कब्जा करने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। फिलहाल बिजनौर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संक्षेप

युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला की समाप्त

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बाबा खेड़ा गांव निवासी 35 वर्षीय संजय पुत्र स्वर्गीय राम प्रसाद मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी पत्नी ने बताया कि संजय ने पहले भी दो बार फांसी लगाने का प्रयास किया था, लेकिन हर बार उसे बचा लिया गया था। देर रात संजय ने अपने घर के अंदर कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक जब वह बाहर नहीं निकला तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। संदेह होने पर परिजनों ने किसी तरह दरवाजा खोला तो संजय कमरे के अंदर फांसी के फंदे से लटका हुआ था। परिजन तुरंत उसे नीचे उतारकर अस्पताल ले जाने की तैयारी करने लगे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए।परिजनों के मुताबिक, संजय पर कुछ समय से कर्ज का बोझ था, जिससे वह काफी परेशान रहता था। आर्थिक तंगी के कारण वह मानसिक तनाव में था और इसी वजह से उसने यह कदम उठाया। संजय चार बहनों में इकलौता भाई था। इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मां और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर अजगैन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। परिजनों द्वारा लगाए गए कर्ज के कारण आत्महत्या के आरोपों की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेज गर्जना के साथ हुई बारिश ने किसानों की तोड़ दी कमर

बांगरमऊ, उन्नाव। सोमवार की सुबह क्षेत्र में तेज गर्जना के साथ हुई बारिश व तूफान ने किसानों की कमर तोड़कर रख दी है मौसम के रौद्र रूप ने अन्नदाता की तमाम फसलों को तहश नहस कर बबार्दी की कगार पर धकेल दिया है जिससे उबरने में खासा वक्त लग सकता है। गौरतलब हो सोमवार को सुबह ही क्षेत्र में काले घने बादलों ने डेरा जमा लिया जिसके बाद बारिश शुरू हो गई तथा तेज हवा के साथ बिजली की गर्जना भी सुनाई देने लगी इस बे मौसम की बारिश व तूफान ने किसानों की प्रमुख गेहूं की फसल को तो नुकसान पहुंचाया ही है इसके साथ ही अनेक स्थानों पर मक्का की फसल भी धराशाई हो गई है साथ ही आम के बागबानों को भी फसल झड़ने से तगड़ा झटका लगा है इसके अलावा गंगा रेती में उगाई जाने वाली तरबूज, खरबूजा, ककड़ी, खीरा,टिंडा,लौकी,तोरई,कद्दू आदि सहित अनेक फसलों को भी भारी क्षति पहुंची है जिससे क्षेत्र के अन्नदाता की कमर सी टूट गई है।मौसम के बदले मिजाज से हुए नुकसान से उबरने में क्षेत्रीय किसानों को लंबा वक्त लग सकता है।

विधानसभा में गूंजी जनपद के युवाओं की आवाज

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन विधानसभाध्यक्ष सतीश महान द्वारा किया गया।डीएसएन कालेज में जिला स्तरीय यूथ पार्लियामेंट से चयनित 5 होनहार युवाओं को उत्तर प्रदेश विधानसभा मंडप में 1 से 3 मई तक विषय - केंद्रीय बजटपर अपने विचार प्रस्तुत करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) की जिला नोडल अधिकारी डॉ रचना त्रिवेदी ने बताया कि जनपद से क्रमशः प्रथम स्थान में ऋषि वैभव मिश्रा, द्वितीय में श्रुति शुक्ला, तृतीय रतन श्रीवास्तव, चतुर्थ सचिन कुमार और पंचम स्थान गौरव कुमार को प्राप्त हुआ।

युवाओं ने अपने जोशीले उद्बोधन से विधानसभा में तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज फैला दी।युवाओं ने कहा कि केंद्रीय बजट सिर्फ आर्थिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह समाज में लाने वाले परिवर्तन का वह मार्ग है जो युवाओं को एक ऐसा अवसर देता है। जिससे वह समावेशी संतुलित और सतत विकास पर जोर देते हुए विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूरा करने में समर्थ होंगे। अर्थ व्यवस्था रोजगार पर की चर्चा युवाओं ने इंटेलिजेंस ग्रामीण विकास महिला सशक्तिकरण व हरित अर्थव्यवस्था और रोजगार स्टार्टअप जैसे विषयों पर प्रमुखता से चर्चा की। प्रदेश के 75 जनपदों से चयनित होकर आए होनहार युवाओं ने भी अपने विचार और तर्कों से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उनकी प्रस्तुति में गांव की जमीनी समझ राष्ट्रीय दृष्टिकोण और वैश्विक सोच का अनूठा संगम देखने को मिला। पारंपरिक वेशभूषा में सजे युवाओं ने जब मंच संभाला तो उनके शब्दों में अनुभव, संवेदना और प्रतिबद्धता का संगम दिखाई दिया।

लीडर डायलॉग एवं नारी वंदन के तहत हुआ कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना की नोडल अधिकारी डॉ रचना त्रिवेदी ने बताया कि विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग एवं नारी वंदन अधिनियम कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संवाद के लिए डीएसएन कॉलेज उन्नाव से रिया गौतम का चयन भी हुआ था।

राज्य स्तरीय विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 तीन दिवसीय आयोजन में चयनित तीन श्रेष्ठप्रतिभागी राष्ट्र स्तरीय युवा संसद कार्यक्रम में प्रतिभा करेंगे।

कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में विधायक शशांक वर्मा, विधायक डॉ सुरभि, डॉ नीरज बोरा द्वारा प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया।इस अवसर पर माय भारत उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय निदेशक अनिल कुमार सिंह, राज्य निदेशक गोपेश पांडेय, विकास कुमार सिंह, सोनिका चंद्र आदि उपस्थित थे। उन्नाव से सदर विधायक पंकज गुप्ता, युवा अधिकारी संजीव सिंह, अनुपम कैथवास, समन्वयक डॉ श्याम मिश्रा, प्राचार्य डॉ राजेश कुमार श्रीवास्तव ने शुभकामनाएं दी।

जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों के शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। जनगणना कार्य में लगाए गए कर्मचारियों के शपथ ग्रहण कार्यक्रम के साथ संपन्न हुए प्रशिक्षण में प्रगणकों तथा सुपरवाइजरो ने गणना प्रक्रियाओं को बारीकी से समझा तथा ग्राम सालहे नगर में जाकर क्षेत्र प्रशिक्षण भी प्राप्त कियो प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षक अमित तिवारी ने बताया इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल तकनीक से होगी,इससे डेटा संग्रह की प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनेगी मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा इंट्री, सेल्फ इम्यूमरेसन की प्रक्रिया व साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है उप जिलाधिकारी शिवेंद्र वर्मा ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि शासन की योजनाओं की नींव तैयार करने वाला महत्वपूर्ण कार्य है। इसलिए प्रत्येक जानकारी को जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ दर्ज करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फील्ड में जाकर वास्तविक स्थिति के आधार पर ही डाटा एकत्र करें। बता दें सात मई से इक्कीस मई तक स्वगणना अभियान चलाया जाएगा जिसमें कोई भी नागरिक पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे इसके लिए निर्धारित पोर्टल https://se.census.gov.in पर जाकर प्रक्रिया पूरी करनी होगी प्रथम चरण की इस प्रक्रिया के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद दूसरे चरण में परिवार गणना के लिए अलग से ट्रेनिंग दी जाएगी और फिर परिवार गणना का कार्य प्रारंभ होगो प्रशिक्षण स्थल पर नायाब तहसीलदार दिनेश कुमार, अमित तिवारी, विश्वनाथ तिवारी,राहुल वर्मा, सत्यप्रकाश द्विवेदी, आशुतोष श्रीवास्तव, सत्यम पाल, आलोक बाजपाई,सूर्यकांत,दिनेश भारतीय उपस्थित रहे

पुलिस कर्मियों के कार्य क्षेत्र में किया गया फेरबदल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस महकमे में प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नौ पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण किया गया है। इसी क्रम में, एक न्यायालयीन प्रकरण में लापरवाही बरतने के आरोप में आसीवन थाने में तैनात दरोगा निजामुद्दीन को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जयप्रकाश सिंह ने निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार, पुलिस लाइन से कांस्टेबल गौतम कुमार, विपिन मौर्य, हेड कांस्टेबल चंद्रपाल और कांस्टेबल प्रदीप कुमार को डायल-112 में तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त, थाना गंगाघाट से महिला हेड कांस्टेबल ममता दीक्षित, पुलिस लाइन से हेड कांस्टेबल प्रशांत मौर्य और थाना असोहा से कांस्टेबल रोहित कश्यप को भी डायल-112 में स्थानांतरित किया गया है। वहीं, डायल-112 में कार्यरत महिला कांस्टेबल गरिमा सिंह और महिला कांस्टेबल किरण यादव को आरओआईपी शाखा में भेजा गया है। ये स्थानांतरण कर्मियों के आवेदन पत्रों (अनुकंपा) और विभागीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं, ताकि कार्य निष्पादन में तेजी लाई जा सके। दरोगा निजामुद्दीन का निलंबन न्यायालय से जुड़े एक मामले में उनकी लापरवाही पाए जाने के बाद हुआ है। एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने इस कार्रवाई से विभाग में सख्त संदेश दिया है। सभी संबंधित प्रभारियों को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर्मियों को कार्यमुक्त कर नई तैनाती स्थल पर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस विभाग का मानना है कि इन स्थानांतरणों से कार्य क्षमता में सुधार होगा और डायल-112 जैसी महत्वपूर्ण आपातकालीन सेवा को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। साथ ही, कर्मियों को उनकी सुविधा के अनुसार तैनाती मिलने से उनका मनोबल भी बढ़ेगा।

शांति व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन ने जनपद में लागू की धारा 163

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आगामी पर्वों और संभावित जनसमूह के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने धारा 163 लागू कर दी है। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने आदेश जारी कर बताया कि यह धारा 31 मई तक प्रभावी रहेगी। धारा 163 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर बिना अनुमति के भीड़, सभा, जुलूस या प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष सतर्कता बरती जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कदम जिले में शांति और सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए एहतियाती तौर पर उठाया गया है। आगामी दिनों में बकरीद पर्व, जयंती और अन्य सामाजिक-धार्मिक आयोजनों के मद्देनजर पुलिस और प्रशासन पहले से ही सतर्क है। इसके अतिरिक्त, वक्फ बोर्ड से संबंधित प्रस्तावित विधेयक को लेकर विभिन्न संगठनों में संभावित असंतोष की आशंका के चलते भी धारा 163 लागू की गई है। पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने बताया कि धारा 163 लागू होने के बाद सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। संवेदनशील इलाकों में निगरानी के लिए सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों का उपयोग किया जा रहा है। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने या धार्मिक भावनाओं को भड़काने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। धारा 163 लागू होने के बाद जिला प्रशासन ने विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर सहयोग की अपील की। अधिकारियों ने बताया कि यह आदेश किसी विशेष वर्ग या समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि जिले की शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए है। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने अपने आदेश में चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन इस आदेश का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में आपराधिक धाराओं के तहत मुकदमा भी दर्ज किया जा सकता है।

मार्ग दुर्घटना में घायल महिला ने भी इलाज के दौरान तोड़ा दम

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर हुए सड़क हादसे में घायल महिला सादिया ने भी एक सप्ताह बाद दम तोड़ दिया। इस दुर्घटना में उनके पति रहीसुद्दीन और दो अन्य बाइक सवार पहले ही जान गंवा चुके थे। अब इस हादसे में घायल सभी चार लोगों की मौत हो गई है। यह भीषण सड़क हादसा 26 अप्रैल को शाम करीब साढ़े पांच बजे फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के चौधरीखेड़ा पुलिया के पास दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर से हुआ था। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव गांव पहुंचा, जहां भारी भीड़ के बीच उसे दफनाया गया। हादसे में पहली बाइक पर सवार सदर उन्नाव के पिंडोंखा निवासी शोभित शुक्ला (20) और हरदोई के बालमाऊ निवासी उनके फुफेरे भाई शिवमोहन द्विवेदी (31) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दोनों मगरवारा की एक फैक्ट्री में काम करते थे। उन्हें सीएससी सफीपुर से जिला अस्पताल रेफर किया गया था, जहां देर रात दोनों की मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के पीखी गांव निवासी रहीसुद्दीन (47) और उनकी पत्नी सादिया (45) सवार थे। रहीसुद्दीन बांगरमऊ के रूरी सादिकपुर सीएससी में वार्ड ब्वॉय के पद पर तैनात थे। गंभीर रूप से घायल होने पर उन्हें मियागंज सीएससी ले जाया गया, जहां से लखनऊ रेफर किया गया। लखनऊ में इलाज के दौरान रहीसुद्दीन की मौत हो गई थी। उनकी पत्नी सादिया का इलाज चल रहा था, जिन्होंने सोमवार सुबह करीब साढ़े तीन बजे अंतिम सांस ली। सादिया की मौत के बाद उनके पुत्र फैज, ताहा और पुत्रियां सबा, रूबा, आमिना गहरे सदमे में हैं। सोमवार सुबह 12 बजे मृतका सादिया के शव को गांव के बाहर कब्रिस्तान में दफनाया गया।

चुनाव परिणामों के बाद भाजपा के कार्यकताओं ने मनाया जश्न

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। विभिन्न राज्यों के चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद नगर पंचायत अध्यक्ष सफीपुर के पति सौरभ बाजपेई उर्फ राजा बेटा व भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं ने जश्न मनाया।इस दौरान कार्यकताओं ने आतिशबाजी की और एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर बधाई दी। पार्टी नेताओं ने इन परिणामों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की जीत बताया, साथ ही इसे विकास की राजनीति की विजय करार दिया। एक स्थानीय भाजपा नेता ने बताया कि असम, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में पार्टी की बढ़ती मजबूती दशार्ती है कि जनता विकास और सुशासन की राजनीति को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा देशभर में अपनी पकड़ लगातार मजबूत कर रही है, और यह जश्न इसी का प्रतीक है। नेता ने आगे कहा कि यह उत्साह केवल चुनावी जीत का नहीं, बल्कि देश की जनता द्वारा पार्टी और उसके नेतृत्व में जताए गए विश्वास का भी प्रतीक है। उन्होंने दावा किया कि वर्षों से विकास से वंचित रहे क्षेत्रों में अब तेजी से कार्य होंगे और जनता को मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने ₹डबल इंजन की सरकार₹ का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य के समन्वय से विकास कार्यों को गति मिलेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या लगातार प्रचार-प्रसार का असर चुनाव परिणामों में दिखा है, नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में हुए कार्यों का प्रभाव जनता के बीच स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने विपक्ष पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया, जबकि भाजपा विकास और राष्ट्रहित को प्राथमिकता देती है।पश्चिम बंगाल के संदर्भ में उन्होंने कहा कि राज्य लंबे समय से विकास की दौड़ में पीछे था। उनके अनुसार, अब वहां नई दिशा में काम होगा और जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जहां विकास होता है, वहां समृद्धि स्वतः आती है। इस जश्न के दौरान उन्नाव की नगर पालिकाध्यक्ष श्वेता मिश्र सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकताओं ने पार्टी के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। कुल मिलाकर, विभिन्न राज्यों के चुनाव परिणामों को लेकर भाजपा कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला

डंपर की टक्कर से ट्रैक्टर ट्राली पलटी, टला बड़ा हादसा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के बिहार बक्सर मार्ग पर सुमेरपुर में स्थित एच पी पेट्रोल पम्प में डीजल डराने जा रहे ट्रेक्टर की ट्राली मे पीछे से आ रहे डम्फर ने टक्कर मार दिया जिससे ट्राली पलट गई । गनीमत यह रही कोई हताहत नही हुआ।डम्फर चालक डम्फर लेकर भाग निकला । थाना क्षेत्र के गांव चोटिहा निवासी मुक्कू अपने घर से ट्रेक्टर मे टेन्ट का सामान लेकर सिरियापुर शादी समारोह मे जा रहा था । सुमेरपुर स्थित एच पी पेट्रोल पम्प के पास जैसे डीजल डलवाने के लिए मुड़ा पीछे से तेज गति से आ रहे डम्फर ने पीछे से टक्कर मार दी जिससे ट्राली समान सहित पलट गई ।ट्रैक्टर ड्राइवर ने किसी तरह ट्रैक्टर से कूद जान बचाई। टक्कर मारने के बाद डम्फर भाग निकला । थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर जांच कर कार्यवाही की जाएगी ।

राज्य स्तरीय प्रशिक्षणकर्ता के सदस्यों के साथ ग्रामीणों की हुई बैठक

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। राज्य स्तरीय प्रशिक्षणकर्ता टीम के सदस्यों व ग्रामीणों के बीच आहुत बैठक में गांव को स्वावलंबी बनाने व समस्याओं को दूर करने पर चर्चा कर रूपरेखा तय की गई। ज्ञात हो सरकार की मंशानुसार गांवों को स्वावलंबी बनाने हेतु प्रयास किए जा रहे है जिसे सार्थक रूप देने की कवायद में सोमवार को राज्य स्तरीय प्रशिक्षणकर्ता टीम के सदस्य डाक्टर हिमांशु श्रीवास्तव व दीपेश कुमार राय समाज कार्य विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय से चलकर बांगरमऊ के गांव कुरसठ ग्रामीण पहुंचे जहां पर पंचायत भवन में आयोजित बैठक में ग्रामीणों के साथ चर्चा की इस दौरान महिलाओं की मांग पर गांव में एक सिलाई सेंटर,बच्चों की मांग पर एक खेल मैदान,व गांव में शवदाह गृह,पेयजल व्यवस्था व सफाई व्यवस्था आदि सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए ग्रामीणों की मांग पर टीम द्वारा रूपरेखा बनाई गई इस दौरान ग्राम प्रधान संतोष कुमारी,सचिव,पंचमलाल के अलावा तमाम ग्रामीण व ब्लाक के अन्य जिम्मेदार लोग मौजूद रहे।

प्रचार प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रचार-प्रसार को तेज करने के उद्देश्य से सोमवार को एक एलईडी वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. सत्यप्रकाश ने इस जागरूकता अभियान की शुरूआत की। सीएमओ डॉ. सत्यप्रकाश ने बताया कि यह वैन अगले 10 दिनों तक जिले के विभिन्न गांवों और क्षेत्रों में घूमकर लोगों को योजना के प्रति जागरूक करेगी। यह एलईडी वाहन सांची से जनपद उन्नाव के लिए प्राप्त हुआ है, जिसका मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के बारे में अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया जाता है। इस कार्ड के माध्यम से वे पंजीकृत अस्पतालों में प्रतिवर्ष पूरे परिवार के लिए 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज करा सकते हैं। सीएमओ ने आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया और पात्रता के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन लाभार्थियों का नाम सामाजिक-आर्थिक जनगणना (एएउउ) सूची में शामिल है, मुख्यमंत्री आरोग्य योजना के अंतर्गत आने वाले परिवार, पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारक जिनके परिवार में छह या उससे अधिक सदस्य हैं, और अंत्योदय राशन कार्ड धारक, इन सभी का आयुष्मान कार्ड बनाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को भी इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान नियमों के अनुसार, पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों में उन्हीं परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं जिनमें छह या उससे अधिक सदस्य हैं। हालांकि, अन्य श्रेणियों के पात्र लाभार्थी भी योजना में शामिल किए जा रहे हैं।सीएमओ ने आगे बताया कि जनपद में जिन गांवों में आयुष्मान कार्ड बनाने की पेंडेंसी अधिक है, उन्हें चिन्हित किया गया है। प्रत्येक ब्लॉक के दो-दो गांवों में विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों के कार्ड बनाए जा सकें। विशेष रूप से 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जिससे उन्हें समय पर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाएं। यह एलईडी वैन गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगी और योजना से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएगी।

मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में घायल 30 वर्षीय युवक पंकज (पुत्र प्रेम, निवासी अजयइया खेड़ा गांव) की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, पंकज बीते शनिवार को उन्नाव शहर से मजदूरी कर साइकिल से अपने घर लौट रहा था। सोनिक मोड़ के पास पहुंचते ही एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पंकज गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा।राहगीरों की मदद से उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया, लेकिन उसकी हालत गंभीर बनी रही। दो दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद पंकज ने सोमवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक छा गया। बताया गया है कि पंकज की शादी एक वर्ष पहले ही निशा के साथ हुई थी। वह अपने परिवार का मुख्य सहारा था और मजदूरी कर घर का खर्च चलाता था। वह दो बहनों में इकलौता भाई था, जबकि उसका एक अन्य भाई कई साल पहले निधन हो चुका था। सोमवार को परिजन मोर्चरी हाउस पहुंचे और अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया, जिससे उसकी पहचान नहीं हो सकी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से अज्ञात वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने आश्वासन दिया कि जल्द ही आरोपी को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खड़े लोडर में डीसीएम ने मारी टक्कर एक की मौत दर्जनों घायल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। सवारियों से भरे खड़े एक लोडर में पीछे से आकर डी सी एम ने टक्कर मार दी इस हादसे में कुल 13 घायलों को बांगरमऊ अस्पताल में भर्ती कराया गया जिनमें से एक को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेज दिया है।वही मांगलिक कार्यक्रम से लौटते समय हादसा होने से परिवार में मातम की स्थित बनी हुई है। बताया जा रहा है जनपद हरदोई के थाना मल्लावां अंतर्गत गांव लच्छीपुर निवासी लालाराम की पुत्री का विवाह तय था जिससे रविवार को दोपहर करीब एक लोडर पर सवार होकर एक दर्जन से भी अधिक लोग तिलक कार्यक्रम में शामिल होने सफीपुर क्षेत्र गए हुए थे जहां से वह कार्यक्रम समापन के बाद रविवार को ही मध्य रात करीब वापस लौट रहे थे तभी बांगरमऊ क्षेत्र में हरदोई उन्नाव मार्ग पर गांव दुल्लापुरवा के निकट एक ढाबा के पास चालक ने लोडर मार्ग किनारे खड़ा किया जिससे कई लोग उतरकर पानी आदि पीने लगे इसी दौरान पीछे से आए एक तेज रफ्तार डी सी एम ने जोरदार टक्कर मार दी टक्कर लगते ही अनेक लोग घायल हो गए तथा घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई हादसे के बाद आनन फानन में सभी घायलों को बांगरमऊ अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया गया जहा पर डाक्टरों ने 25 वर्षीय विजय कुमार पुत्र रामजी निवासी लच्छीपुर मल्लावां हरदोई को मृत घोषित कर दिया इस हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया गया।

तथा घायल हुए गांव लच्छीपुर मल्लावां के ही रहने वाले गयाप्रसाद,रामकुमार,अनुराग,आशीष ,राजू ,अमित,शैलेश कुमार ,शैलेन्द्र,देशराज,आकाश,आशीष व गांव भवानीपुर मल्लावां के दीपक कुल 12 लोगों को बांगरमऊ से रेफर कर दिया गया।

कोतवाल अखिलेश चंद पांडेय ने कहा है हादसे हादसे वाले वाहन को कब्जे में लेकर शव पोस्टमार्टम भेजा गया है अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

खड़े लोडर में पीछे से डी सी एम की टक्कर इतनी जोरदार थी कि लोडर मार्ग किनारे खड़े पेड़ में घुस गया।

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत जीएसटी संग्रह

मुद्दा
कांतिलाल मांडोत

नए वित्त वर्ष के पहले ही महीने अप्रैल में 2.42 लाख करोड़ रुपये का वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह न केवल एक सांख्यिक उपलब्धि है, बल्कि यह देश की आर्थिक मजबूती और कर प्रणाली की परिपक्वता का भी संकेतक है। पिछले वर्ष अप्रैल की तुलना में 8.7% की वृद्धि इस बात को रेखांकित करती है कि तमाम वैश्विक और घरेलू चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी गति बनाए हुए है। दरअसल, जीएसटी संग्रह को किसी भी अर्थव्यवस्था की नब्ज माना जाता है, क्योंकि यह सीधे तौर पर उपभोग, उत्पादन और व्यापारिक गतिविधियों से जुड़ा होता है। जब संग्रह बढ़ता है, तो इसका अर्थ है कि बाजार में मांग बनी हुई है, कारोबार चल रहा है और उपभोक्ता खर्च करने को तैयार हैं। अप्रैल 2026 के आंकड़े इसी सकारात्मक प्रवृत्ति की पुष्टि करते हैं। कर संग्रह केवल कागजी नहीं, बल्कि वास्तविक आर्थिक गतिविधियों से प्रेरित है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत तस्वीर पेश करता है। इससे पहले सबसे ज्यादा कलेक्शन अप्रैल 2025 में 2.23 लाख करोड़ रुपये रहा था। बता दें कि सरकार द्वारा अक्टूबर में जीएसटी दरों में की गई कटौती ने उपभोक्ता को प्रोत्साहित किया है। आम उपभोक्ता को राहत मिलने से बाजार में मांग बढ़ी है, जिसका सीधा असर कर संग्रह पर पड़ा है। यह संतुलन एक ओर दरों में राहत और दूसरी ओर संग्रह में वृद्धि नीतिगत दक्षता को दर्शाता है, लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। शुक्रवार से कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी ने महंगाई के मोर्चे पर नई चिंता खड़ी कर दी है। इसका असर भी पहले ही दिन से दिखने लगा है। होटल, ढाबा और खानपान उद्योग के लिए गैस एक प्रमुख लागत है। इसकी कीमत बढ़ने से न केवल इन व्यवसायों की लागत बढ़ेगी, बल्कि इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर भी पड़ेगा। खोमचे, रेहड़ी-पटरी और छोटे विक्रेताओं के लिए यह और भी चुनौतीपूर्ण स्थिति है, क्योंकि उनके पास लागत को समायोजित करने के सीमित विकल्प होते हैं। शहरों में कामकाजी वर्ग, विशेषकर प्रवासी श्रमिक, अक्सर बाहर भोजन पर निर्भर रहते हैं। जब खाने की कीमतें बढ़ती हैं, तो इसका सीधा असर उनकी जीवन-यापन लागत पर पड़ता है। गैस कीमतों का बोझ उपभोक्ता को ही झेलना पड़ता है। इस प्रकार, जीएसटी संग्रह में वृद्धि जहां एक ओर आर्थिक मजबूती का संकेत है, वहीं दूसरी ओर महंगाई का दबाव इस मजबूती को चुनौती भी दे सकता है। एक और चिंता का विषय घरेलू और कमर्शियल गैस के बीच करीब ढाई गुणा मूल्य अंतर है। इससे घरेलू गैस के दुरुपयोग और कालाबाजारी की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में सरकार के लिए जरूरी है कि वह मूल्य संतुलन और निगरानी दोनों पर ध्यान दे। दूसरी तरफ, खाड़ी देशों में बढ़े तनाव के कारण भी लगातार अर्थव्यवस्था के मंद होने की अटकलें लगाई जा रही थी, लेकिन इन सभी अवरोधकों से पार पाते हुए देश की आर्थिक सेहत पटरी पर है। मजबूत घरेलू उपभोक्ता आधार अर्थव्यवस्था को गति दे रहा है। कच्चे तेल और गैस की बढ़ती कीमतों ने महंगाई के मोर्चे चुनौती जरूर दी है, लेकिन सरकार ने तमाम वैकल्पिक उपाय कर इस चुनौती को मात दी और इसे कंट्रोल किया है। अब उम्मीद की जा सकती है कि सरकार इसका कुछ न कुछ समाधान जरूर निकालेगी और आम आदमी को राहत देगी और भविष्य अच्छा होगा। कुल मिलाकर हमें बेहतर की उम्मीद करनी चाहिए और आंकड़े भी यही बयां कर रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत होकर उभरेगी।

तेल कंपनियों का लाभ, उपभोक्ता पर बोझ

> तेल कंपनियों ने रोजाना औसतन 116 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जो पूरे वर्ष में करीब 1.37 लाख करोड़ रुपये के आसपास बैठता है। यह आंकड़ा न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि बाजार की जटिल परिस्थितियों के बावजूद कंपनियों की कमाई लगातार मजबूत बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनियों ने अपने मार्जिन को बनाए रखा है। खास बात यह है कि जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो कंपनियां कीमतें बढ़ाने की बात करती हैं, लेकिन जब कीमतें घटती हैं, तो उपभोक्ताओं को उसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता।

भारत में पेट्रोलियम क्षेत्र एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान देश की प्रमुख तेल कंपनियों ने जिस तरह से मुनाफा कमाया है, उसने आम जनता, विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के बीच नई बहस को जन्म दे दिया है। कॉमर्शियल सिलेंडर 1 मई से 994 रुपये तक महंगा हो गया है। 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी 261 रुपये का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद अब 'छोटू' सिलेंडर की रिफिल कीमत 813.50 रुपये हो गई है। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली महंगी कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी महंगी हो सकती है। गैस बढ़ोतरी के बाद अब पेट्रोल-डीजल की बाते करें तो तेल कंपनियों ने रोजाना औसतन 116 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जो पूरे वर्ष में करीब 1.37 लाख करोड़ रुपये के आसपास बैठता है। यह आंकड़ा न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि बाजार की जटिल परिस्थितियों के बावजूद कंपनियों की कमाई लगातार मजबूत बनी हुई है।

पिछले तीन वर्षों से तेल कंपनियों का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनियों ने अपने मार्जिन को बनाए रखा है। खास बात यह है कि जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो कंपनियां कीमतें बढ़ाने की बात करती हैं, लेकिन जब कीमतें घटती हैं, तो उपभोक्ताओं को उसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता। 2022-23 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमतें 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। उस समय भी अधिकांश तेल कंपनियों ने भारी मुनाफा कमाया था। इसके बाद 2023-24 और 2024-25 में कीमतों में कुछ गिरावट आई, लेकिन कंपनियों के लाभ में कोई खास कमी नहीं आई। 2025-26 में भी यही ट्रेंड जारी रहा। केयर एज रेटिंग के अनुसार, तीसरी तिमाही में रिफाइनिंग मार्जिन प्रति बैरल लगभग 13 डॉलर तक पहुंच गया था, जो भारतीय मुद्रा में करीब 1,235 रुपये होता है। इसका सीधा असर कंपनियों की कमाई पर पड़ा। अगर पेट्रोल और डीजल के स्तर पर देखा जाए, तो कंपनियों को प्रति लीटर 7 से 6 रुपये तक का लाभ मिल रहा था। इससे पहले 2024-25 में यह मार्जिन 12 से 14 रुपये प्रति लीटर तक था। यह साफ दिखाता है कि कंपनियों ने लागत और बिक्री मूल्य के बीच एक ऐसा संतुलन बनाया है, जिससे उनका मुनाफा लगातार बढ़ता रहा। हालांकि, दूसरी ओर उपभोक्ताओं की स्थिति उतनी मजबूत नहीं रही। आम जनता को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अपेक्षित राहत नहीं मिल पाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें घटने के बावजूद घरेलू स्तर पर कीमतों में सीमित कटौती ही देखने को मिली। इससे यह सवाल उठता है कि क्या तेल कंपनियों का मुनाफा उपभोक्ताओं की कीमत पर बढ़ रहा है। 2026 की शुरुआत में ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध की स्थिति ने एक बार फिर तेल बाजार को प्रभावित किया। 26 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई और यह 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। हालांकि बाद में कीमतें घटकर 116 डॉलर तक आ गईं। इस दौरान तेल कंपनियों

ने दावा किया कि उन्हें पेट्रोल पर प्रति लीटर 14 रुपये और डीजल पर 10 रुपये का नुकसान हो रहा है। लेकिन यह दावा उस समय सवालों के घेरे में आ गया। जब उनके पिछले मुनाफे के आंकड़े सामने आए। विशेषज्ञों का मानना है कि तेल कंपनियां अपने नुकसान और मुनाफे को संतुलित तरीके से प्रस्तुत करती हैं। जब कीमतें बढ़ती हैं तो नुकसान का हवाला दिया जाता है और जब कीमतें घटती हैं तो मुनाफे की बात कम ही सामने आती है। यह रणनीति बाजार और उपभोक्ताओं दोनों को प्रभावित करती है। सरकार की भूमिका भी इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार ने 27 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, जिससे आम जनता को कुछ राहत मिली। हालांकि इससे सरकार को हर महीने करीब 12,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। इस घाटे की भरपाई के लिए सरकार ने डीजल के निर्यात पर टैक्स बढ़ा दिया, जिससे अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। भारत में हर महीने औसतन 191 करोड़ लीटर डीजल का निर्यात होता है। टैक्स बढ़ने के बाद सरकार को केवल डीजल निर्यात से ही करीब 10,500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हो रही है। इससे यह साफ है कि सरकार भी राजस्व संतुलन बनाए रखने के लिए अलग-अलग उपाय कर रही है। तेल कंपनियों द्वारा उठाए गए कुछ कदम भी चर्चा में रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ क्षेत्रों में एक बार में 200 लीटर से अधिक पेट्रोल या डीजल देने पर प्रतिबंध लगाया गया। यह कदम आपूर्ति को नियंत्रित करने और संभावित संकट से निपटने के लिए उठाया गया था। हालांकि इससे छोटे व्यवसायों और किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कच्चे तेल की कीमतों का इतिहास देखें तो 2020-21 में यह लगभग 44.65 डॉलर प्रति बैरल थी, जो महामारी के दौरान सबसे कम स्तर था। इसके बाद 2021-22 में यह 79.30 डॉलर, 2022-23 में 90 डॉलर के आसपास, 2023-24 में 82.58 डॉलर और 2024-25 में 78.56 डॉलर रही। 2025-26 में यह औसतन 70.99 डॉलर के आसपास रही। इस ट्रेंड से स्पष्ट है कि कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या तेल कंपनियों का मुनाफा उचित है या इसमें संतुलन की जरूरत है। एक तरफ कंपनियां यह तर्क देती हैं कि उन्हें वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं, रिफाइनिंग लागत और लॉजिस्टिक्स खर्च का सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ उपभोक्ता यह महसूस करते हैं कि उन्हें कीमतों में पारदर्शिता और राहत मिलनी चाहिए। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार और कंपनियों दोनों को मिलकर एक संतुलित नीति बनानी चाहिए, जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत रहे और उपभोक्ताओं को भी उचित कीमत मिले। इसके लिए मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता, टैक्स संरचना में सुधार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना जरूरी है। भविष्य की बात करें तो भारत तेजी से ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और अन्य वैकल्पिक स्रोतों पर जोर दिया जा रहा है। इससे आने वाले वर्षों में तेल की मांग पर असर पड़ सकता है। ऐसे में तेल कंपनियों को भी अपने बिजनेस मॉडल में बदलाव लाना होगा। अंततः यह कहा जा सकता है कि तेल कंपनियों का बढ़ता मुनाफा केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक महत्व का विषय भी बन चुका है। जब तक उपभोक्ताओं को उचित राहत और पारदर्शिता नहीं मिलेगी, तब तक यह बहस जारी रहेगी। सरकार, कंपनियों और जनता के बीच संतुलन बनाना ही इस चुनौती का सबसे प्रभावी समाधान हो सकता है।

तकनीक

रोहित माहेश्वरी

सोशल मीडिया की लत के शिकार हो रहे युवा

आज का युग डिजिटल प्रौद्योगिकी का युग है, जिसमें सोशल मीडिया विशेषकर युवा पीढ़ी के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक, वे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े रहते हैं। यह माध्यम अब केवल संचार का साधन मात्र नहीं रह गया है, बल्कि उनके चिंतन, मनोविज्ञान, व्यवहार और जीवनशैली पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। इसलिए, यह समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि सोशल मीडिया युवाओं के लिए वरदान है या अभिशाप। भारत में डिजिटल उपयोग के आंकड़े इसकी व्यापकता को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, 90 से 95 प्रतिशत किशोर सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं और लगभग 45 प्रतिशत लगातार ऑनलाइन रहते हैं। एक औसत किशोर प्रतिदिन 3 से 5 घंटे स्क्रीन पर बिताता है, जबकि कुछ किशोर छह घंटे से अधिक समय ऑनलाइन बिताते हैं। सकारात्मक पक्ष देखें तो सोशल मीडिया ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। बायजू, खान अकादमी, कोर्सेरा और गूगल क्लासरूम जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से छात्र घर बैठे ही उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। अनुमान है कि ऑनलाइन शिक्षा का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या में प्रति वर्ष 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। वीडियो पाठों और इंटरैक्टिव तरीकों से सीखना और भी आसान हो गया है। इससे समय और धन दोनों की बचत होती है और छात्रों को विश्व स्तरीय जानकारी तक पहुंच मिलती है। इसके अलावा, सोशल मीडिया युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक विशाल मंच प्रदान करता है। कई युवा गायन, लेखन, फोटोग्राफी और अन्य कलाओं के माध्यम से प्रसिद्धि प्राप्त कर रहे हैं। कई लोग डिजिटल क्रिएटर या इन्फ्लुएंसर बनकर अपनी आजीविका भी कमा रहे हैं। भारत में डिजिटल मार्केटिंग उद्योग की विकास दर लगातार बढ़ रही है, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। दूसरी ओर, इसके नकारात्मक प्रभाव भी गंभीर चिंता का विषय हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि जो युवा प्रतिदिन तीन घंटे से अधिक समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनमें अवसाद और चिंता के लक्षण अधिक पाए जाते हैं। लगभग 60 प्रतिशत युवा नींद की कमी से पीड़ित हैं क्योंकि वे रात में भी मोबाइल फोन का उपयोग करते रहते हैं। इसका सीखने, ध्यान केंद्रित करने और याददाश्त पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सोशल मीडिया मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालता है। दुनिया भर में अरबों उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करता है जो रोजाना औसतन 145 मिनट स्क्रॉल करते हैं। यह डिजिटल परिदृश्य आधुनिक जीवन के ताने-बाने में गहराई से समा गया है, अभूतपूर्व संबंध बनाते हुए मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर रहा है। आज की युवा पीढ़ी सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स, फॉलोअर्स और शेयर को अपनी पहचान मानने लगी है। यह तुलना का माहौल बना रहा है, जहां लोग दूसरों की परफेक्ट लाइफ देखकर खुद को कमतर समझने लगते हैं। डॉक्टरों का मानना है कि यह एक अवास्तविक दुनिया है, जो मानसिक दबाव को बढ़ाती है। शोध बताते हैं कि यूट्यूब या इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर स्क्रॉल करने से मस्तिष्क के वे क्षेत्र सक्रिय हो जाते हैं जो पुरस्कार प्रसंस्करण, सामाजिक अनुभूति और ध्यान से जुड़े होते हैं। जब भी हमें कोई लाइक या सकारात्मक टिप्पणी मिलती है, तो हमारा मस्तिष्क डोपामाइन छोड़ता है, जिससे शक्तिशाली इनाम के रास्ते बनते हैं जो हमें और अधिक पाने के लिए प्रेरित करते हैं। हार्वर्ड के शोधकर्ताओं के अनुसार, सोशल मीडिया पर सक्रियता प्राप्त करने पर जो डोपामाइन निकलता है, वह कोकीन जैसे नशीले पदार्थों के सेवन के बराबर होता है। इसके अलावा, इन पुरस्कारों की अप्रत्याशित प्रकृति- यह न जानना कि आपको कब और कितने लाइक मिलेंगे- इस अनुभव को और भी व्यसनी बना देती है। शोध लगातार सोशल मीडिया के इस्तेमाल और मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट के बीच कई संबंधों को उजागर करते रहे हैं। अध्ययनों में सोशल मीडिया के अत्यधिक इस्तेमाल और अवसादग्रस्तता के लक्षणों की बढ़ती दर के बीच महत्वपूर्ण संबंध पाए गए हैं।

श्रद्धामयोऽयं पुरुषो यो यच्छ्रद्धः स एव सः

संकलित
दर्शन

गीताकार ने कहा है कि श्रद्धामयोऽयं पुरुषो यो यच्छ्रद्धः स एव सः अर्थात जिसकी जैसी श्रद्धा होती है, वह स्वयं ही वही यानी उसी के अनुरूप बन जाता है। शिष्य और गुरु के मध्य जो श्रद्धा के सूत्रों का सशक्त बंधन होता है, वही लक्ष्य तक पहुंचाने और अध्यात्म की समस्त विभूतियां प्राप्त कराने में प्रमुख भूमिका निभाता है। जिस श्रद्धा के सहारे मीरा ने गिरधर गोपाल को साथ रहने के लिए विवश किया, एकलव्य ने द्रोणाचार्य की मिट्टी से बनी प्रतिमा को असली द्रोण से भी अधिक समर्थ बनाया और रामकृष्ण परमहंस ने पत्थर की प्रतिमा को जीवंत काली जैसा भोग ग्रहण करने के लिए सहमत कर लिया था, वह श्रद्धा तत्व ही आत्मिक प्रगति का आधारभूत है। इसे उपार्जित करने के लिए जीवंत गुरु का आश्रय लेना पड़ता है। जीवन के प्रत्येक महत्वपूर्ण कार्य के लिए सद्गुरु के अवलंबन की आवश्यकता पड़ती है। आत्मिक प्रगति के लिए सद्गुरु का आश्रय लिए जाने की बात प्राचीन आर्ष ग्रंथों से लेकर ऋषि-मुनियों तक ने कही है। आत्मिक प्रगति, भिन्न स्तर का सोच अपनाने और तदनुरूप अपने क्रियाकलापों को ढालने के लिए सशक्त अवलंबन की आवश्यकता पड़ती है। यह कार्य समर्थ आदर्शवादी और श्रेष्ठ स्तर के व्यक्तित्वों के साथ घनिष्ठता स्थापित करने पर ही बनता है। इसी व्यवस्था को गुरुवरण कहते हैं। गुरु के रूप में एक ऐसी सत्ता के प्रति संपूर्ण समर्पण, जो उत्कृष्टताओं और सत्प्रवृत्तियों का समुच्चय हो। जिसके पद चिह्नों पर चलकर और जिसके प्रदत्त मार्गदर्शन को अपनाकर जीवन को वैसा ही श्रेष्ठतम व सार्थक बनाया जा सके।

जिन लोगों में मतभेद हैं वे कभी सफलता प्राप्त नहीं कर पाते

संकलित
प्रेरणा

महाभारत में पांडव कौरवों से जुए में सब कुछ हार गए थे। इस हार के बाद ये तय हुआ था कि पांडव जब 12 वर्ष का वनवास और एक वर्ष का अज्ञातवास करके लौटेंगे तब कौरव पांडवों को इनका राज्य वापस लौटा देंगे। पांडवों ने अपना वनवास और अज्ञातवास पूरा कर लिया तो वे अपना राज्य वापस मांगने कौरवों के पास पहुंचे, लेकिन दुर्योधन ने पांडवों को राज्य देने से मना कर दिया। बहुत कोशिशों के बाद भी दुर्योधन पांडवों को एक गांव तक देने के लिए तैयार नहीं हुआ। इसके बाद पांडवों के सामने सिर्फ युद्ध करने का एक मात्र उपाय बचा था। पांडवों ने युद्ध के लिए तैयारी शुरू कर दी। कौरव सेना में भीष्म, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य, कर्ण जैसे योद्धा थे। विरोधी पक्ष में सभी पांडवों के रिश्तेदार ही थे। उनकी सेना बहुत बड़ी थी। पांडवों ने विचार किया कि हम तो सिर्फ पांच भाई ही हैं। हमारे पास सेना भी नहीं है, तो हम कौरवों की विशाल सेना का सामना कैसे करेंगे। श्रीकृष्ण ने पांडवों को समझाया कि कौरव पक्ष में भले ही बड़े-बड़े योद्धा हैं, लेकिन सभी के बीच मतभेद हैं। भीष्म कर्ण को पसंद नहीं करते, द्रोण दुर्योधन को पसंद नहीं करते। दुर्योधन भीष्म और द्रोण को अपमानित करते रहता है। जबकि आप पांचों भाई एक साथ हैं, आपके बीच एकता है। जहां एकता होती है, जीत भी वहीं होती है। श्रीकृष्ण ने संदेश दिया है कि जहां मतभेद होते हैं, वहां सफलता नहीं होती है। कौरव पक्ष में बड़े-बड़े योद्धा थे, विशाल सेना थी, लेकिन मतभेदों के चलते सभी एक मत होकर पांडवों से युद्ध नहीं लड़ सके और अंत में पांडवों की जीत हुई।

अंतर्मन

आज की पाती

भारी मतदान से दलों की धड़कनें तेज

देश के चौथे सबसे बड़े राज्य पश्चिम बंगाल में दूसरे और अंतिम चरण का मतदान सम्पन्न होने के साथ ही पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणामों पर अब सबकी निगाहें चार मई को होने वाली मतगणना पर टिक गई हैं। बिहार से शुरू हुए मतदाता सूची के शुद्धिकरण (पुनरीक्षण) के बाद वहां हुई बंपर वोटिंग ने मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि का संकेत दिया था। इसी क्रम में चुनाव आयोग ने विपक्ष के विरोध के बावजूद सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची का पुनरीक्षण कराया। पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनाव से पहले मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया गया। कई मतदाता सूची से बाहर हुए।

- प्रतीक शर्मा, राजनांदगांव

ट्रेंड

दूध प्रसंस्करण संयंत्र

कारगिल में 25 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 10 टीएलपीडी क्षमता वाले दूध प्रसंस्करण संयंत्र की आधारशिला रखी गई और लेह मिल्क प्लांट के नए उत्पादों का शुभारंभ किया। यह परियोजनाआपूपालकों की आत्मनिर्भरता को गति प्रदान करेगी।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

डिजिटल जनगणना शुरू

भारत की पहली डिजिटल जनगणना शुरू हो चुकी है। यह हमारे देश के विकास पथ में एक महत्वपूर्ण कदम है। सही नीतियां बनाने के लिए सटीक आंकड़े ही आधार है। सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक तभी पहुंच सकता है जब आंकड़े सटीक हों।

-रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

सरकारी नौकरियां

हमारी सरकार ने पिछले सवा दो वर्षों में बिना किसी कागजी लीक के पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से 351 भर्ती परीक्षाएं सफलतापूर्वक सम्पन्न की है। हमने एक लाख बीस हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की है।

- भजनलाल शर्मा, सीएम, राजस्थान

बिजली क्षेत्र में भ्रष्टाचार

भाजपा सरकार बिजली क्षेत्र में भ्रष्टाचार का रैकेट चला रही है, प्रीपेड मीटरों की आड़ में तकनीक का दुरुपयोग करके जनता को लूट रही है। अब जनता ने उनकी इस चोरी को पकड़ लिया है। इस बार स्मार्ट मीटर तोड़े जा रहे हैं; अगली बार ईवीएम...

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

दक्षिण अफ्रीका के पाठ्यक्रम में हो भारतीय इतिहास शामिल

'साउथ अफ्रीकन हिंदू धर्म सभा' (एसएएचडीएस) ने दक्षिण अफ्रीका में संशोधित किए जा रहे स्कूल पाठ्यक्रम में भारतीयों के इतिहास को पर्याप्त स्थान देने की मांग करते हुए अधिकारियों से इसे नजरअंदाज नहीं करने का आग्रह किया है। एक खुले पत्र में एसएएचडीएस के अध्यक्ष राम महाराज ने कहा कि अल्पसंख्यक होने के बावजूद भारतीय समुदाय के इतिहास को पाठ्यक्रम में समुचित रूप से शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 1981 में डरबन में आयोजित पहले राष्ट्रीय हिंदू सम्मेलन में एसएएचडीएस ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर स्कूल पाठ्यक्रम में भारतीयों के इतिहास को पर्याप्त रूप से शामिल करने की मांग की थी।

ऑफ बीट

ध्रुवीय भालू मानव बस्तियों के पास क्यों चले आते हैं

ध्रुवीय भालू अत्यंत जिज्ञासु होते हैं और यही जिज्ञासा अक्सर उन्हें इंसानी ढांचे और बस्तियों के करीब ले आती है, जिससे दोनों के लिए खतरा पैदा हो सकता है। एक नए अध्ययन में पाया गया है कि इसके पीछे के कारण पहले की तुलना में अधिक जटिल हैं। अध्ययन के अनुसार, आर्कटिक क्षेत्र के गर्म होने के कारण कई ध्रुवीय भालू समुद्री बर्फ से दूर तटों पर अधिक समय बिता रहे हैं, जहां वे आमतौर पर सील का शिकार करते हैं। वैज्ञानिकों ने 2011 से 2021 के बीच मैनिटोबा के वपुस्क नेशनल पार्क और चर्चिल नॉर्दर्न स्टडीज सेंटर में कैमरे लगाकर यह जानने की कोशिश की कि भालू इन स्थानों पर कितनी बार आते हैं।

संक्षेप

नोटिस तामील कराने गए पुलिसकर्मियों से बाप-बेटे ने की अभद्रता

अमेठी में बीच सड़क हुई घटना, पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया

अमेठी ,शनिवार दोपहर नोटिस तामील कराने गए पुलिसकर्मियों से बाप-बेटे ने बीच सड़क अभद्रता की। विवाद बढ़ने पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया और निरोधात्मक कार्रवाई की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह घटना पीपरपुर थाना क्षेत्र के आसलदेव चौराहे पर हुई। पीपरपुर थाने के दरोगा विजय सिंह पटेल एक सिपाही के साथ भेवई गांव के शिव मिलन और अन्य लोगों को मुकदमे की नोटिस देने उनके गांव जा रहे थे। आसलदेव चौराहे के पास शिव मिलन और उसका बेटा अविनाश मिल गए। पुलिस ने जब उन्हें नोटिस तामील कराने के लिए रोका, तो दोनों ने पुलिसकर्मियों से अभद्रता शुरू कर दी। चौराहे पर काफी देर तक विवाद चलता रहा। इसके बाद पुलिस ने शिव मिलन और अविनाश को हिरासत में लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर मौजूद थे। शिव मिलन समेत चार लोगों पर गांव के ही एक व्यक्ति ने मुकदमा दर्ज कराया था, जिसकी नोटिस तामील कराने पुलिस गई थी।

भुतिया तालाब का 50.10 लाख से विकास

वॉकिंग ट्रैक, स्वच्छ जल और सोलर लाइट से मिलेंगी नई सुविधाएं

अमेठी , शहर के वार्ड नंबर तीन में स्थित भुतिया तालाब का 50.10 लाख रुपये की लागत से विकास किया जाएगा। नगर पंचायत ने इसके सुंदरीकरण की योजना तैयार की है, जिसका उद्देश्य स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना और क्षेत्र के स्वरूप में सुधार लाना है। इस योजना के तहत तालाब के चारों ओर एक पक्का वॉकिंग ट्रैक बनाया जाएगा। इससे सुबह और शाम टहलने वाले लोगों को एक सुरक्षित स्थान मिलेगा। यह सुविधा बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगी, जिससे उन्हें खुले वातावरण में समय बिताने का अवसर मिल सकेगा। तालाब के पानी को स्वच्छ बनाए रखने के लिए एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जाएगा, जिससे गंदगी और जल प्रदूषण में कमी आएगी। रात्रि में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सोलर लाइटें लगाई जाएंगी। इससे अंधेरा दूर होगा और लोगों की आवाजाही सुरक्षित रहेगी, साथ ही शाम के समय भी लोग इस स्थान का उपयोग कर सकेंगे। सुंदरीकरण के दौरान तालाब के किनारों को समतल कर हरियाली विकसित की जाएगी, जिससे क्षेत्र में ताजगी का माहौल बनेगा। लोगों को बैठने और विश्राम करने के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध होगा। नगर क्षेत्र में ऐसे सुव्यवस्थित सार्वजनिक स्थलों की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही थी। यह योजना लोगों को दैनिक जीवन की व्यस्तता के बीच सुकून के पल बिताने का अवसर देगी नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी शैलेंद्र मिश्र ने बताया कि योजना का बजट स्वीकृत हो चुका है और टेंडर प्रक्रिया जल्द ही पूरी की जाएगी उन्होंने आश्वस्त किया कि कार्य शुरू होने के बाद इसे निर्धारित समय में पूरा कराया जाएगा

रूपईडीहा पत्रकार संघ की बैठक संरक्षक के आवास पर संपन्न

प्रत्येक माह में नियमित बैठक पर दिया गया जोर

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा। रूपईडीहा पत्रकार संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक संघ के संरक्षक शेर सिंह कसौधन के नए आवास पर आयोजित की गई। बैठक में संघ के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया और विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए।

बैठक के दौरान सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने प्रतिमाह आयोजित होने वाली बैठकों को नियमित रूप से संचालित करने पर जोर दिया। सदस्यों ने बताया कि किसी कारणवश पिछली बैठक काफी दिनों बाद आयोजित हो सकी थी, जिसके चलते सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि भविष्य में संघ की बैठकें समयबद्ध और नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी, ताकि संगठन में निरंतर सक्रियता और नई ऊर्जा बनी रहे।इस अवसर पर पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। संघ के अध्यक्ष संजय कुमार वर्मा ने कार्यक्रम के आयोजक एवं संरक्षक शेर सिंह कसौधन का आभार व्यक्त करते हुए सभी पत्रकार साथियों से अपील की कि वे समाचार संकलन में समाज से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का मूल उद्देश्य समाज का आईना बनना है तथा मजलूमों को न्याय दिलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है।

बैठक के समापन पर आयोजक शेर सिंह कसौधन ने सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस दौरान संघ के संरक्षक संजय कुमार गुप्ता, बनारस गिरि, अनिल कुमार वर्मा, सिद्धनाथ गुप्ता, महामंत्री मोहम्मद अरशद, उपाध्यक्ष इरशाद हुसैन, कोषाध्यक्ष अमित मधेसिया, प्रवक्ता रजा इमाम रिजवी, रईस अहमद, महबूब अहमद, रमेश सिंह, श्याम कुमार मिश्रा, रमेश मिश्रा, अजय मित्तल, संतोष शुक्ला, दीपेंद्र मिश्रा, मोहम्मद कौशर सहित दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की उदासीनता

नगर पंचायत रुपईडीहा में नेशनल हाईवे 927 जलमग्न

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित रूपईडीहा कस्बे में नेशनल हाईवे-927 पर जलभराव की समस्या लगातार बनी हुई है। हाईवे निर्माण के बाद से ही जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण हर बारिश में सड़कें पानी से लबालब हो जाती हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, नाला तो बनाया गया है, लेकिन उसकी नियमित सफाई न होने के कारण बरसात होते ही पानी सड़कों पर भर जाता है। सोमवार को हुई हल्की बारिश के बाद ही कस्बे के मुख्य मार्गों पर जलभराव हो गया, जिससे आवागमन बाधित हो गया। हालात ऐसे हो जाते हैं कि पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।

जलभराव के कारण सबसे अधिक दिक्कत बुजुर्गों और बच्चों को उठानी पड़ रही है। कई बार लोगों को बुजुर्गों को कंधे पर उठाकर सड़क पार कराना पड़ता है। व्यापारियों और राहगीरों को भी इससे खासा नुकसान उठाना पड़ रहा है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा कई बार संबंधित विभाग और अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।कस्बे के निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द नालों की सफाई कराकर जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि हर बारिश में होने वाली इस परेशानी से राहत मिल सके।

फसलों का बीमा कराकर योजना का लाभ प्राप्त करें किसानः सांसद डॉ आनंद गोंड

बीमित कृषकों के लिए आयोजित हुआ क्षतिपूर्ति चेक वितरण कार्यक्रम

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। खरीफ 2025 एवं रबी 2025-26 मौसम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अर्न्तगत बीमित कृषकों को देय क्षतिपूर्ति के वितरण हेतु विकास भवन सभागार में आयोजित चेक वितरण कार्यक्रम के दौरान सांसद बहराइच डॉ. आनन्द कुमार गोंड ने मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता एवं उप निदेशक कृषि विनय कुमार वर्मा के साथ संयुक्त रुप से 10 किसानों को फसल क्षतिपूर्ति के डेमोचेक का वितरण किया गया।

चेक वितरण कार्यक्रम के दौरान खरीफ 2025 अन्तर्गत रिसिया के कृषक अली अहमद को रू. रुपये 66,004/-, फखरपुर के भगोले को रू. 70,604/-, तेजवापुर की श्रीमती केतकी देवी रू. 43,387/-, शिवपुर के सत्य प्रकाश रू. 36,168/- एवं पयागपुर की श्रीमती शान्ती को रू. 36,031/- तथा रबी 2025-26 के लिए चित्तौरा के कृषक बाबादीन चित्तौरा को रू. 62,209/-, मासाडीहा महसी के बांके लाल को रू. 73,093, हुजूरपुर के बृजेश कुमार सिंह को रू. 48,390/-, हुजूरपुर की श्रीमती लोचन सिंह को रू. 65,887/-, महसी के राजेन्द्र प्रसाद को रू. 36,755/- के डेमो चेक का वितरण सांसद बहराइच डॉ. आनन्द कुमार गोंड द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद डॉ. गोंड ने उपस्थित कृषक उत्पादक संगठनों के निदेशकों, कृषि सखी/सीआरपी का आहवान किया कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक किसानों को जागरुक कर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिलायें। डॉ. गोंड ने उपस्थित किसानों से कहा कि हमें प्राकृतिक खेती की ओर आगे बढ़ना होगा। प्राकृतिक खेती से उत्पादित खाद्यान्न मानव स्वास्थ्य के लिये अच्छा है। भारतीय अर्थव्यवस्था में किसानों द्वारा अहम योगदान दिया जा रहा है।

सांसद ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों के लिये कुछ न कुछ योगदान जोड़ते रहते है। उन्होंने को सहफसली खेती अपनाने का सुझाव दिया जिससे किसानों को अतिरिक्त आय हो सके। उन्होंने कहा कि जहां पर वन्यजीवों का प्रकोप न हो ऐसे स्थानों पर फल उत्पादन भी बेहतर विकल्प है। डॉ. गोंड ने कहा कि जनपद के विकास खण्ड मिहिंपुरवा के किसान अधिक क्षेत्रफल में हल्दी, अदरक एवं परवल, कुन्दरु की खेती कर रहे है। जबकि विकास खण्ड फखरपुर, कैसरगंज में केले की खेती हो रही है, जिससे कृषक अच्छी आय प्राप्त कर रहे है।

एक जिला एक उत्पाद में केले को भी सम्मिलित किया गया है। केले के तने का रस इंक में उपयोग होता है। केले के रेसे से धागे बनाकर वस्त्र बनाये जा रहे है। उन्होंने कृषकों को सुझाव दिया कि कृषि उत्पाद विक्रय हेतु ई-नाम पोर्टल पर देश की मण्डियों का भाव देखें और जहां अभी अधिक मूल्य प्राप्त हो रहा अपने उत्पाद की बिक्री करें। किसानों को जागरूक होना होगा तथा उन्नत तकनीक का प्रयोग कर अपनी आय बढ़ानी होगी। उन्होंने किसानों का आहवान किया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत अपनी फसलों का बीमा कराकर फसल क्षति की दशा में क्षतिपूर्ति प्राप्त करें।

मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता ने सभी उपस्थित किसान भाइयों से कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित सरकार द्वारा संचालित अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त कर अपनी आय में बढोत्तरी करें। उप कृषि निदेशक श्री वर्मा ने बताया कि खरीफ 2025 में 9251 किसानों को रू. 317.16479 लाख की क्षतिपूर्ति की धनराशि बीमा कम्पनी के माध्यम से प्रेषित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 129 किसानों को रू. 1,17,545/- रुपये आज प्रेषित किये जा रहे है। इसी प्रकार रबी 2025-26 में जनपद के 503 किसानों ने व्यक्तिगत दावा फसल क्षति का प्रस्तुत किया गया था, जिसमें से 180 किसानों को रू. 28,23,240/- की धनराशि प्रेषित की जा रही है। शेष प्रक्रियाधीन है। जल्द ही इन्हें भी क्षतिपूर्ति फसल बीमा कम्पनी इफको टोक्यो जनरल इंश्योरेंश कम्पनी के माध्यम से दिलाया जायेगा।

इस अवसर पर भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. सौरभ वर्मा, उपसंभागीय कृषि प्रसार अधिकारी शिशिर कुमार वर्मा, फसल बीमा कम्पनी के जिला प्रबन्धक अमन मौर्या, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-ए ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, सुधाकर शुक्ला, अरविन्द कुमार, कुलदीप वर्मा, प्रगतिशील कृषक जितेन्द्र कुमार, लालता प्रसाद गुप्ता, काशीराम वर्मा, बाबूराम, वेदनाथ तिवारी, ठाकुर प्रसाद मिश्रा सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहें।

70 ग्राम स्मैक सहित दो भारतीय नागरिकों को नेपाल पुलिस ने किया गिरफ्तार

मोहम्मद कौसर

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच।पड़ोसी देश नेपाल के बांके नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और नेपालगंज पुलिस की टीम ने मुखबिर की सूचनाके आधार पर दो लोगों को 70ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है।

डीएसपी बांके के अनुसार सोमवार की सुबह नेपालगंज वार्ड नंबर 5 फुलटेकरा जाने वाले मार्ग पर चेकिंग के दौरान बाबागंज के रहने वाले 32 वर्षीय मोहम्मद हामिद और वहीं की रहने वाली 22 साल की सबीना देवी पथरकट को लगभग 70ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस की दी गई जानकारी के मुताबिक दोनों लोगों की जामा तलाशी के दौरान मोहम्मद हामिद की काली पैंट की दाहिनी जेब से स्मैक दो मोबाइल फोन और इंडियन नंबर प्लेट UP 40 BH 4708 वाली एक मोटरसाइकिल भी मिली। गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों को बांके डिस्ट्रिक्ट पुलिस ऑफिस की कस्टडी में रखा गया है और आगे की जांच चल रही है। शुरूआती जांच में पुलिस को शक है कि वे ऑर्गनाइज्ड ड्रग ट्रैफिकिंग में शामिल हो सकते हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक की दर्दनाक मौत

जानवर बांधते समय हादसा, परिवार में मचा कोहराम

अमन लेखनी समाचार

बहराइच, कैसरगंज। बहराइच जनपद के कैसरगंज थानाक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नत्थनपुर में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नत्थनपुर निवासी रुपनारायण (52 वर्ष), पुत्र रामसुमिरन, सोमवार सुबह ईंट भट्ठे से वापस लौटने के बाद अपने जानवरों को खूंटे से बांध रहे थे। इसी दौरान अचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। देखते ही देखते आकाशीय बिजली गिर पड़ी, जिसकी चपेट में आने से रुपनारायण की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और परिजनों में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। इस संबंध में थाना प्रभारी राजेश शुक्ला ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजन गहरे सदमे में हैं।

पश्चिम बंगाल की जीत पर बलहा में खुशी का माहौल

भाजपा कार्यकताओं ने एक दूसरे को खिलाई मिठाई

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर जनपद बहराइच में खुशी का माहौल है भाजपा कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई शुभकामनाएं दी। बलहा विधानसभा से विधायक श्रीमती सरोज सोनकर के विधायक कार्यालय कुड़वा मोड़ पर विधायक प्रतिनिधि व भाजपा जिला मंत्री आलोक जिंदल के नेतृत्व में कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार कर बधाई शुभकामनाएं दी ।विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल ने कहा कि कार्यकताओं की मेहनत और मोदी जी के नेतृत्व में बंगाल में जो जीत मिली है वह ऐतिहासिक है इस मौके पर भाजपा के रामादल मौर्य,गुड्डू लोधी, निक्की जिंदल, रामावती गौतम सहित काफी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारत उन्नयन समिति ने भंडारा स्थलों पर आयोजकों से डस्टबिन रखवाने के लिए चेयर मैन को दिया ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। भारत उन्नयन समिति पिछले कई वर्षों से लगातार आम जन मानस को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने हेतु स्वच्छता जन जागरूकता महा अभियान संचालित कर रही है इस स्वच्छता जन जागरूकता महा अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों/धार्मिक स्थलों,पटरी/बड़ी दुकानों के आगे एवं भंडारा स्थलों पर फैली गंदगी को समिति के पदाधिकारी गण अपने अपने हाथों से झाड़ू लगाकर साफ करते चले आ रहे हैं भंडारा आयोजकों से संस्था के पदाधिकारी गण भंडारा आयोजित कराने में प्लॉस्टिक/थमोकॉल के दोना,पत्तल, चम्मचों आदि को प्रयोग न करने हेतु ₹विनम्र आग्रह₹ भी करते रहते हैं ।

समिति के द्वारा भंडारा आयोजकों से गंदगी न करने एवं प्लॉस्टिक थमोकॉल से बने दोना पत्तलों आदि को प्रयोग न करने के आग्रह के प्रतिफल भी मिल रहे हैं वो अब प्लॉस्टिक तथा थमोकॉल से बने उत्पाद कम प्रयोग कर रहे हैं लेकिन संस्था परिवार द्वारा पिछले कई वर्षों से लगातार जो स्वच्छता जन जागरूकता महा अभियान संचालित किया जा रहा है उसको दृष्टिगत रखते हुए स्वच्छता के जो परिणाम आना चाहिए वो अभी नहीं मिल पा रहे हैं इसके लिए भारत उन्नयन समिति संस्था द्वारा मनोनीत किए गए जिला सभासद प्रकोष्ठ प्रभारी तथा वार्ड संख्या 2 सिंगरोसी मोहल्ला के सभासद शिव वीरेन्द्र कुशवाहा,कल्याणी मोहल्ला के सभासद सुशील तिवारी,संस्था के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विकास नारायण गुप्त,जिला उपाध्यक्ष डॉ० अंशुमान अग्निहोत्री,सामाजिक कार्यकर्ता/स्वच्छता के चौकीदार एवं संस्था के संस्थापक शैलेन्द्र पाण्डेय सहित अन्य सदस्यों ने उन्नाव नगर पालिका परिषद की चेयर मैन श्वेता मिश्रा से मिलकर उनको ज्ञापन देकर मांग की गई कि शहर में जो भी भंडारा आयोजक भंडारा कराएं तो वो अपने अपने भंडारा स्थलों पर टेन्ट हाउस से किराए पर डस्टबिन लाकर अवश्य रखवाएं साथ साथ अपने अपने भंडारा स्थलों पर भंडारा समापन के तुरंत बाद सफाई अवश्य करें ताकि सड़क मार्ग से निकलते हुए राहगीरों को गंदगी का सामना न करना पड़े साथ साथ अपना शहर स्वच्छ दिखे ।

किसी जहरीले कीड़े के, काटने से हुई किशोरी की,मौत!

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गांव मझखोरिया में, 16 वर्षीय किशोरी को तकरीबन 7 बजे,घर में ही किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया, जिसके बाद किशोरी की हालत बिगड़ने लगी ,जिससे परेशान होकर किशोरी ने,अपने परिजनों को किसे कीड़े के काटने की जानकारी दी,जब तक परिजन कुछ समझ पाते तब तक किशोरी को चक्कर आने लगे, और वो बेहोस होकर गिर गई, परिजनों को सर्प दंश कि , आशंका हुई, जिसके बाद परिजन तत्काल किशोरी को रकबा गांव ले गए,किसी सर्प दंश के झाड़-फूक वाले के पास,जहां पर पहुंचने के बाद ,उसने किशोरी की हालत को गंभीर बताया, और जिला अस्पताल उन्नाव ले जाने की सलाह दी, परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए,जहां पहुंचने के बाद वहां मौजूद डॉक्टरों प्राथमिक जांच के बाद,किशोरी को मृत घोषित कर दिया, मृतका किशोरी की पहचान रीता (16)पुत्री बाबू लाल वर्मा निवासी ग्राम मझखोरिया पोस्ट बैगांव के रूप में हुई है वहीं कोतवाली पुरवा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है,मृतका किशोरी की मौत के बाद,परिजनों का रो-रो का बुरा हाल है

पंचायत भवन की पुताई को लेकर विवाद, विकास कार्यों पर उठे सवाल; जांच के आदेश

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। ब्लॉक क्षेत्र की झलोतर ग्राम पंचायत में विकास कार्यों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। रविवार देर शाम पंचायत से जुड़ी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया के कई ग्रुपों में वायरल होने के बाद स्थानीय स्तर पर चचाओं का दौर शुरू हो गया।वायरल तस्वीरों में पंचायत भवन पर हरे रंग की पुताई दिखाई देने पर कुछ भाजपा कार्यकताओं व नेताओं ने आपत्ति जताई। उनका आरोप है कि पंचायत में मुस्लिम समाज की प्रधान होने के कारण भवन की पुताई विशेष रंग में कराई गई है। इसके साथ ही विकास कार्यों में अनियमितता के भी आरोप लगाए गए हैं।आरोपों के अनुसार, पंचायत भवन के मेंटेनेंस के नाम पर लाखों रुपये निकाले गए, लेकिन धरातल पर कार्य अपेक्षित रूप से नहीं दिख रहे हैं। कुछ लोगों ने यह भी दावा किया कि ऐसे व्यक्तियों के खातों में भुगतान किया गया, जिन्होंने कोई कार्य नहीं किया।

खंड विकास अधिकारी निशा सागर विश्वकर्मा ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से मामला संज्ञान में आया है और पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षेप

1519.83 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

जिलाधिकारी ने क्रय केंद्र का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए जरूरी दिशा-निर्देश

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने शनिवार को बागपत स्थित गेहूं क्रय केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को गेहूं बेचने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। किसानों के लिए छायादार बैठने की व्यवस्था, शीतल पेयजल और उनके साथ अच्छा व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। डीएम ने क्रय केंद्र के रिकॉर्ड का भी अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। जनपद बागपत में अब तक 13 गेहूं क्रय केंद्रों पर कुल 1519.83 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। किसानों को 72 घंटे के भीतर भुगतान किया जाता है। अब तक 304.57 लाख रुपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है, जबकि 395.92 लाख रुपये की शेष खरीद का भुगतान भी अगले 72 घंटे में कर दिया जाएगा। गेहूं खरीद का समय सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित है। किसानों को गेहूं विक्रय करने के लिए पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण पेपर और पहचान पत्र के साथ किसान क्रय केंद्र पर पहुंचकर अपनी उपज बेच सकते हैं। निरीक्षण के समय जिला खाद्य विपणन अधिकारी विकास तिवारी भी उपस्थित थे। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि केंद्र पर आने वाले किसानों को कोई समस्या न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी अधिकारी द्वारा लापरवाही बरती जाती है, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

समाधान दिवस में 33 शिकायतें दर्ज

4 का मौके पर निस्तारण, अधिकारियों ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

बागपत , तहसील परिसर में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान आम जनता की समस्याओं को सुनने और उनके त्वरित निस्तारण के लिए प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। एडीएम विनीत कुमार उपाध्याय, एसडीएम अमरचंद वर्मा, नायब तहसीलदार वंशिका सिंह, ईओ के.के. बढ़ाना और एएसपी प्रवीण कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। समाधान दिवस में कुल 33 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 4 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश के साथ भेजा गया। दर्ज शिकायतों में राजस्व विभाग की सर्वाधिक 26 शिकायतें थीं, जो भूमि विवाद, खतौनी, नामांतरण और कब्जे से संबंधित थीं। पुलिस विभाग की 8, विकास विभाग की 1, प्राधिकरण की 1, वन विभाग की 1 और एनएचएआई से संबंधित 1 शिकायत भी प्राप्त हुई। अधिकारियों ने संबंधित विभागों के कर्मचारियों को लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए।

मेडल पाकर चहक उठे हाई स्कूल इंटरमीडिएट के मेधावी

विद्यालय में आयोजित हुआ मेंधा अलंकरण समारोह

अमन लेखनी समाचार

समरजीत सोनकर

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड कस्बे में संचालित बद्री प्रसाद दुलीचंद उमराव इंटर कॉलेज में मेधा अलंकरण समारोह धूमधाम से मनाया गया विद्यालय के प्रधानाचार्य रामसनेही द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हुए मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के प्रबंधक एवं जहानाबाद विधानसभा के सपा अध्यक्ष राजेंदर सिंह पटेल तथा प्रबंधिका सविता सिंह का विद्यालय परिवार ने भव्य स्वागत किया मुख्य अतिथि प्रबंधक राजेंदर सिंह पटेल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया वहीं सबसे निम्न कक्षा पीजी से लेकर इंटरमीडिएट तक के बच्चों को मेडल तथा प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए उत्साहवर्धन किया यूपी बोर्ड हाई स्कूल तथा इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को भी उत्कृष्ट मेडल से पुरस्कृत किया गया मिली जानकारी के अनुसार विद्यालय की छात्रा श्रेया पटेल ने 94.83 प्रतिशत तनवी गुप्ता ने 93% तृप्ति ने 93% सृष्टि पटेल ने 90.83 प्रतिशत तथा प्रिया शर्मा ने 91.6% अंक प्राप्त किया वहीं छात्रा कोमल वर्मा शिखा पलक शर्मा के साथ-साथ हाई स्कूल तथा इंटरमीडिएट के लगभग आधा सैकड़ा बच्चे भी विद्यालय के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य द्वारा पुरस्कृत हुए अपने संबोधन में विद्यालय के प्रबंधक राजेंदर सिंह पटेल ने सभी बच्चों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि असफलता ही सफलता की कुंजी है जो बच्चे अपनी कड़ी मेहनत से स्थान प्राप्त करके आए हैं उनसे अन्य बच्चों को शिक्षा लेनी चाहिए तथा उनके मार्गदर्शन पर चलते हुए उच्च शिखर को स्पर्श करने का प्रयास करना चाहिए जो बच्चे निरंतर अथक प्रयास करते हुए किसी भी परीक्षा में प्रतिभागिता निभाते हैं तो सफलता निश्चित रूप से उनके चरणों पर होती है बच्चों के सफल होने पर बच्चों के माता-पिता के साथ-साथ विद्यालय तथा विद्यालय के शिक्षकों का भी गौरव बढ़ता है कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षक मनीष कुमार अनुराग शुक्ला विजय त्रिपाठी महेंद्र सिंह सुरेंद्र सिंह समेत सभी शिक्षक व विद्यालय के बच्चे अभिवावक मौजूद रहे

बंगाल में भाजपा ने खिलाया कमल कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

बीजेपी कार्यालय समेत जगह-जगह जमकर हुई आतिशबाजी

अमन लेखनी समाचार /शोभित शुक्ला

फतेहपुर। देश के पश्चिम बंगाल असम तथा पांडुचेरी विधानसभाओं में तृणमूल कांग्रेस पार्टी की कर्णधार ममता बनर्जी को धूल चटाते हुए भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर ऐतिहासिक जीत हासिल की यह सूचना जैसे ही समर्थकों को लगी तो देश के कोने-कोने समेत उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में खुशी की लहर दौड़ गई फतेहपुर जनपद में स्थापित भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में जमकर आतिशबाजी हुई वही भाजपाइयों ने एक दूसरे को मीठा खिलाकर हर्षोल्लास मनाया भाजपा कार्यालय में उपस्थित जिला अध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव ने इस ऐतिहासिक जीत को राजनीति का एक नया अध्याय बताया जहां देश की धरोहर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान का स्मरण कराते हुए इस ऐतिहासिक जीत को नमन किया वहीं सदर विधायक विक्रम सिंह ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए प्रदेश में होने वाले आगामी 2027 विधानसभा चुनाव के लिए एक जीता जागता उदाहरण बताया ठीक इसी प्रकार जनपद के सभी छह विधानसभाओं समेत खागा बिंदकी जहानाबाद तथा अमौली कस्बे में भी जीत का जश्न हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

एसपी सिटी का नया अंदाज

मृतका कौसर की मासूम बच्चियों को दुलारा, पूछा फ्रूट जूस अच्छा लगता है

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,नए एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले का एक नया वीडियो सामने आया है। यह वीडियो का है। जो लिसाड़ी गेट थानाक्षेत्र के मजीद नगर का है। एसपी सिटी यहां महिला कौसर की गला रेतकर हुई हत्या के मामले में जांच के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने मृतका कौसर की दोनों मासूम छोटी बेटियों को देखा। एसपी सिटी ने जैसे ही दोनों बच्चियों को देखा तो वो उनके साथ बाहर ही बैठ गए। अपनी मां को खो चुकी इन बच्चियों को एसपी सिटी ने दुलारा, उनके सिर पर हाथ भी फेरा। इस दौरान उन्होंने दोनों बच्चियों से बेहद लाड़ के साथ बातचीत करके उनसे बातें पूछी।

बच्चियों से कहा अंकल से कहूंगा तुमको जूस दिलाएं

एसपी सिटी ने दोनों बच्चियों के सिर पर हाथ फेरते हुए उनसे पूछा कि क्या अच्छा लगता है स्कूल में पढ़ना अच्छा लगता है। स्कूल में क्या अच्छा लगता है बच्चियों ने कहा कि पढ़ना..उन्होंने पूछा कि पढ़ना है बच्चियां बोली हां पूछा कि तुम्हारे चेहरे पर क्या हो रहा है बच्ची ने कहा कि मस्सा..फिर कहा कि मीठा ज्यादा खाती होगी इसलिए घमौरियां हो गईं इतनी सारी। दोबारा पूछा कि जूस अच्छा लगता है फलों का जूस पीती हो, बच्ची ने कहा हां तो एसपी सिटी ने कहा कि ठीक है मैं अंकल को कहूंगा तुमको जूस दिलाएं। कि कुछ दिन पहले ही मेरठ में नए एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले ने चार्ज संभाला है।

दुष्कर्म के प्रयास का सीसीटीवी लेकर एसएसपी ऑफिस पहुंची महिला

मेरठ में पीड़ता बोली- पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई, आरोपी घर आकर दे रहा धमकी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,लोहियानगर थाना क्षेत्र की एक महिला ने पड़ोस में रहने वाले एक युवक पर दुष्कर्म के प्रयास, छेड़छाड़ और मारपीट का गंभीर आरोप लगाते हुए शनिवार को एसएसपी से न्याय की गुहार लगाने पहुंची। पीड़िता का आरोप है कि शिकायत के बावजूद स्थानीय पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की जिसके बाद से लगातार आरोपी उसको धमकी भी दे रहा है। पीड़िता के अनुसार 23 अप्रैल को वह अपने घर पर काम कर रही थी, तभी गांव का ही आतिफ पुत्र अफसर अली जबरन घर में घुस आया और उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। पीड़िता का कहना है कि उसने किसी तरह अपनी जान बचाई और घटना का वीडियो भी उसके पास मौजूद है जिसमें आरोपी साफ तौर पर ऐसा करते दिखाई दे रहा है। महिला का आरोप है कि जब उसने इस घटना की शिकायत आरोपी के परिजनों से की तो उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। इसके बाद वह चौकी इंचार्ज के पास पहुंची और वीडियो भी दिखाया, लेकिन पुलिसकर्मी ने कार्रवाई के बजाय उसे धमकाकर भगा दिया। पीड़िता के मुताबिक 25 अप्रैल को आरोपी फिर घर पर आया और उसके साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। उसी दिन शाम को आरोप है कि आरोपी अपने परिजनों के साथ घर में घुस आया और मारपीट की, जिसमें महिला के सिर में गंभीर चोट आई। साथ ही उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया गया। इस मामले में थाना लोहियानगर में मुकदमा संख्या 243/2026 दर्ज किया गया है और महिला का मेडिकल भी कराया गया है।

चौकी प्रभारी लाइन हाजिर

पीड़ित पर समझौते का बना रहे थे दबाव, आधी रात चौकी पहुंचे थे भाजपा विधायक

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,कैंट सीट से भाजपा के विधायक अमित अग्रवाल आधी रात को चौकी पहुंचे और पीड़ित की सुनवाई न करने के मामले में शिकायत कर दी। चौकीप्रभारी की लापरवाही के चलते एसएसपी अविनाश पांडेय ने कंकरखेड़ा चौकीप्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया। यह कार्रवाई एक पीड़ित पर समझौते का दबाव बनाने वाले युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष पर कार्रवाई और नगला तांशी चौकी प्रभारी की सुनवाई न करने पर हुई। पीड़ित पक्ष पर समझौते का बना रहे थे दबावदर असल चौकी प्रभारी एक पीड़ित पर समझौते का दबाव बना रहे थे। जिसकी शिकायत उसने भाजपा विधायक से कर दी थी। इसके बाद विधायक अमित अग्रवाल कंकरखेड़ा की कस्बा चौकी पर पहुंचे। उनकी नाराजगी के बाद चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया। पीड़ित पक्ष पर समझौते का दबाव बनाने पर भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष पर कार्रवाई कर दी थी। उसके अलावा भी नगलातांशी चौकी प्रभारी को भी पीड़ितों की सुनवाई नहीं करने के मामले में लाइन भेज दिया गया।

एसएसपी ने वायरलेस पर ही कर दिया आदेश

एसएसपी अविनाश पांडेय ने वायरलैस सेट पर ही कंकरखेड़ा की कस्बा चौकी के प्रभारी प्रमोद कुमार को लाइन हाजिर कर दिया। 25 अप्रैल की रात को कंकरखेड़ा की जवाहर नगर से रवि ने यूपी-112 को काल कर मारपीट की सूचना दी। दरोगा प्रमोद कुमार चौकी से मौके पर पहुंचे। वहां से परिवारिक विवाद के चलते दोनों पक्षों को चौकी पर लेकर आ गए। इसी बीच रवि और रेखा ने मामले की तहरीर दी।

अभिभावकों का फीस वृद्धि के खिलाफ स्कूल गेट पर प्रदर्शन

मोदीनगर के दयावती पब्लिक स्कूल में बिना नोटिस बढ़ाई गई फीस

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , दयावती पब्लिक स्कूल में फीस वृद्धि के खिलाफ अभिभावकों ने प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने स्कूल गेट पर हंगामा किया और बाद में तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने बिना किसी पूर्व सूचना के फीस में भारी वृद्धि कर दी है। जब उन्होंने फीस बढ़ाने का कारण पूछा, तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला और कहा गया कि जिन्हें बच्चों को पढ़ाना है, वे फीस जमा करें। फीस वृद्धि के विरोध में सैकड़ों अभिभावक स्कूल गेट के बाहर एकत्र हुए और धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद वे जुलूस के रूप में दिल्ली-मेरठ मार्ग से होते हुए मोदीनगर तहसील पहुंचे और उपजिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान अभिभावकों ने फीस वृद्धि वापस लेने के बैनर ले रखे थे। उपजिलाधिकारी अजीत सिंह ने बताया कि इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक को एक कमेटी बनाने के लिए कहा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि कमेटी की रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है और रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। उपजिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि बिना नोटिस दिए फीस वृद्धि करना गलत है और इस मामले की जांच कराई जा रही है। अभिभावकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक को बुलाने की भी मांग की।

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता से मिली सेंट्रल मार्केट की महिलांए

अपना पक्ष रखने के लिए दिखाए साक्ष्य, बोली- राहत मिलने के आसार

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सेंट्रल मार्केट के सेक्टर 2 में धरना देने वाली महिलाओं का एक प्रतिनिधि मंडल दिल्ली जाकर सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता से मिला। इस दौरान उन्होंने अपने मकानों से संबंधित सभी साक्ष्य वकील के सामने रखे और इसी आधार पर आगे की कार्रवाई की अपील की।

सांसद के संपर्क में रही महिलांए

जो प्रतिनिधि मंडल सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विवेक नारायण शर्मा से मिलने पहुंचा उनसे सांसद अरूण गोविल लगातार संपर्क में रहे। इसके साथ ही उन्होंने बात में फोन पर भी बात की और हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया। दरअसल जिस दिन सांसद अरूण गोविल महिलाओं के बीच पहुंचे थे तब उन्होंने सांसद अरुण गोविल ने इस मामले की पैरवी की जिम्मेदारी लेते हुए अधिवक्ता विवेक नारायण शर्मा को सौंपी थी।

अब जानिए सेट बैक की शर्तें

सेंट्रल मार्किट में पिछले काफी समय से सेट बैक को लेकर भ्रम की स्थिति है। यह साबित करने का प्रयास हो रहा है कि 60 मीटर तक के आवास के लिए सेट बैक जरूरी नहीं है। जबकि विभागीय सूत्रों की मानें तो नियम सब के लिए बराबर हैं। सेट बैक नहीं छोड़ा तो छोटे आवासों पर भी कार्रवाई होना तय है।

सेट बैक का गणित भी समझें

फ्रंट सेटबैक (ऋ): घर के सामने, सड़क और भवन के बीच की दूरी (सामने की तरफ)।

रियर सेटबैक (फ): घर के पीछे, प्लॉट की पिछली सीमा और भवन के बीच की दूरी।

साइड सेटबैक घर के दाएं और बाएं किनारों पर, पड़ोसी प्लॉट की सीमा और भवन के बीच की दूरी।

स्ट्रीट सेटबैक): कॉर्नर प्लॉट के मामले में, मुख्य सड़क के अतिरिक्त दूसरी सड़क की ओर की जगह।

सेंट्रल मार्किट के आवास पर सेटबैक रेजीडेंशियल 150 वर्ग मीटर तक फ्रंट सेटबैक 1 मीटर, रियर सेटबैक शून्य, साइड सेटबैक शून्य, स्ट्रीट सेटबैक शून्य।

- रेजीडेंशियल 151 वर्ग मीटर से 300 वर्ग मीटर तक फ्रंट सेटबैक 3 मीटर, रियर सेटबैक 1.5 मीटर, साइड सेटबैक शून्य, स्ट्रीट सेटबैक शून्य।

नोएडा की फैक्ट्री में लगी आग

गत्ता बनाने का होता है काम, 10 गाड़ियों ने तीन घंटे में बुझाई आग

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , सेक्टर-8 स्थित गत्ता फैक्ट्री में आग लग गई। आग से लाखों का मॉल जलकर राख हो गया। मौके पर एक-एक करके दमकल की 10 गाड़ियों को भेजा गया। आग पर करीब तीन घंटे में काबू पाया गया। आग ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर में लगी थी। आग को बुझा दिया गया है। कोई फंसा नहीं है और न ही जनहानि हुई है। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि आग एफ-128 सेक्टर-8 में लगी थी। गार्ड और वहां मौजूल लोगों ने इसकी जानकारी दी। मौके पर एक-एक करके दमकल की गाड़ियों को भेजा गया।

निवेश का झांसा देकर 75 लाख ठगे

टेलीकॉम कंपनी से रिटायर्ड इंजीनियर को वाट्सऐप ग्रुप से जोड़ा, पहले दिया मुनाफा

अमन लेखनी समाचार

नोएडा,निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने टेलीकॉम विभाग से रिटायर्ड 71 साल के इंजीनियर के साथ 75 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में ठगी के संबंध में केस दर्ज कराया है। जिन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है, उनकी जांच की जा रही है। नोएडा सेक्टर-104 स्थित एटीएस वन हैमलेट सोसाइटी में रहने वाले बुजुर्ग आलोक सहदेव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 25 फरवरी 2026 को उन्हें वाट्सऐप पर एक निवेश ग्रुप में जोड़ा गया। इस ग्रुप का नाम वेल्थ एलायंस बताया गया, जिसमें शेयर बाजार और आईपीओ में निवेश कर भारी मुनाफे का दावा किया जा रहा था। ग्रुप में मौजूद लोगों द्वारा लगातार मुनाफे के स्क्रीनशॉट और ट्रेडिंग की जानकारी साझा की जाती थी। पहले निवेश में मुनाफा पैसा भी मिला ग्रुप से जुड़े लोगों ने एक ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड करवाया और बताया कि इसके जरिए भारतीय शेयर बाजार और विदेशी बाजार में निवेश किया जा सकता है। शुरूआत में पीड़ित ने छोटी राशि निवेश की और उन्हें आठ हजार रुपये का लाभ भी दिखाया गया, जो उनके खाते में वापस भी आया। इससे उनका विश्वास और बढ़ गया। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया। धीरे धीरे करके पैसा कराए ट्रांसफर उन्हें बताया गया कि न्यूनतम बैलेंस बनाए रखना जरूरी है

ग्रैंड वेनिस मॉल के मालिक मोंटू भसीन गिरफ्तार

2015 में धोखाधड़ी केस दर्ज हुआ था, कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर , नोएडा में ग्रैंड वेनिस मॉल के मालिक सतेंद्र भसीन उर्फ मोंटू भसीन को बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया। सूरजपुर स्थित सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया। यहां से अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। यह कार्रवाई वर्ष 2015 में दर्ज धोखाधड़ी के एक मामले में की गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ लंबे समय से जांच चल रही थी। अदालत द्वारा गैर-जमानती वारंट जारी किए जाने के बावजूद वह लगातार पेश नहीं हो रहा था, जिसके बाद पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि 2 अप्रैल 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने भसीन की जमानत रद्द करते हुए उन्हें एक सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि समय पर आत्मसमर्पण न करने पर उत्तर प्रदेश पुलिस उन्हें गिरफ्तार करे। इसके बावजूद, आरोपी ने न तो आत्मसमर्पण किया और न ही 8 अप्रैल को समय बढ़ाने की याचिका खारिज होने के बाद भी अदालत के आदेशों का पालन किया। अभियोजन के अनुसार, आरोपी ने विभिन्न कानूनी उपायों के जरिए मामले को लंबा खींचने की कोशिश की और अपने खिलाफ दर्ज कई एफआईआर की जानकारी भी अदालत से छिपाई।

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों—जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य—पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

112-आपातकालीन सेवा
1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन
181-महिला हेल्पलाइन
1930-साइबर अपराध हेल्पलाइन
1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

पराली में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

अमन लेखनी समाचार

ककरवई। गरौठा क्षेत्र के कचीर ककरवई मौजे में सोमवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक खेतों की ओर से तेज धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। पास में काम कर रहे किसानों ने जब मौके पर पहुंचकर देखा तो खेतों में पड़ी पराली में आग लगी हुई थी, जो धीरे-धीरे फैलती जा रही थी। किसानों और ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन तेज हवा के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। देखते ही देखते आग आसपास के कई खेतों में फैल गई, जिससे किसानों में दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने बाल्टी, पानी और मिट्टी के सहारे आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग की लपटें लगातार बढ़ती रहीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने तत्काल फायर ब्रिगेड गरौठा को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आग को फैलने से रोका, जिससे बड़ी क्षति टल गई। इस घटना में

किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है, हालांकि कुछ खेतों में रखी पराली जलकर राख हो गई। समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से आसपास की फसलों को भी सुरक्षित बचा लिया गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

आकाशीय बिजली से दो मासूम बच्चियों की मौत, एक किशोर घायल

बभनी थाना क्षेत्र के चौना गांव में दर्दनाक हादसा, गांव में पसरा मातम।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद के बभनी थाना क्षेत्र अंतर्गत चौना गांव में शनिवार शाम मौसम की अचानक बदली करवट ने एक दर्दनाक हादसे को जन्म दे दिया। तेज आंधी और बारिश के दौरान गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर दो मासूम बच्चियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक किशोर घायल हो गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार शाम क्षेत्र में तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई थी। आंधी के चलते गांव में स्थित आम के पेड़ों से बड़ी संख्या में आम नीचे गिर गए थे। इसी दौरान चौना गांव निवासी नौ वर्षीय अर्चना पुत्री विष्णु दयाल तथा आठ वर्षीय आस्था पुत्री राजेश कुमार पेड़ के नीचे गिरे आम चुनने पहुंच गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों बच्चियां पेड़ के नीचे आम चुन रही थीं, तभी अचानक तेज चमक और जोरदार गर्जना के साथ आकाशीय बिजली सीधे पेड़ पर गिर गई। बिजली गिरते ही आसपास अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीण जब तक मौके पर पहुंचते, तब तक दोनों बच्चियों की मौत हो चुकी थी। वहीं पास में मौजूद गांव का 12 वर्षीय हर्ष पुत्र देवनरायन बिजली गिरने के दौरान जान बचाने के लिए भागने लगा, लेकिन वह भी उसकी चपेट में आकर घायल हो गया। ग्रामीणों ने तत्काल उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि आंधी-बारिश के दौरान अक्सर बच्चे पेड़ों के नीचे गिरे आम चुनने पहुंच जाते हैं, लेकिन इस तरह की घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। प्रशासन द्वारा लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे जाने से बचने की अपील की जा रही है।

खास समाचार

सिफारिश और सेटिंग के बिना नहीं हो रही सुनवाई

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, (हरदोई)। स्थानीय कोतवाली इन दिनों एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। आरोप है कि यहां कानून से ज्यादा बाहरी लोगों की चलती है जबकि आम फरियादी बिना किसी सिफारिश के न्याय पाने के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कोतवाली7 परिसर में सुबह से लेकर देर शाम तक कुछ तथाकथित ₹सेटिंगबाज₹ सक्रिय रहते हैं, जो खुद को पुलिस और पीड़ ?तों के बीच का ₹मध्यस्थ₹ बताते हैं। सूत्रों के अनुसार, कई मामलों में फरियादियों को सीधे पुलिस से मिलने के बजाय पहले इन लोगों से सम्पर्क करने की सलाह दी जाती है। जो लोग इस जाल में नहीं फंसते, उनकी शिकायतों पर कार्रवाई में देरी या अनदेखी की बात भी सामने आ रही है। एक पीड़ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि, ₹अगर जेब गर्म नहीं करेंगे, तो काम न हीं होगा। इस तरह के आरोपों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तीन राज्यों में प्रचंड जीत पर बेहंदर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

अमन लेखनी समाचार

बेहंदर। तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को मिले प्रचंड बहुमत की खुशी में बेहंदर क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार जश्न मनाया। स्थानीय पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने ₹भाजपा जिंदाबाद₹ और ₹मोदी-योगी जिंदाबाद₹ के नारे लगाकर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। पूरे परिसर में ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने इस जीत को नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की नीतियों, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर जनता के अटूट विश्वास का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह जीत भाजपा की जनसेवा और मजबूत संगठन का प्रमाण है। मंडल पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि यह सफलता कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और जनता के समर्थन का प्रतीक है। उन्होंने भरोसा जताया कि भाजपा आगे भी जनहित में कार्य करते हुए देश और प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष बेहंदर गोपेंद्र मिश्रा, एडवोकेट ज्ञान प्रकाश, शिवम मिश्रा मंडल उपाध्यक्ष, संतोष तिवारी मंडल महामंत्री, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता मधुर सिंह सहित कई और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्सव जैसा माहौल बना रहा और जीत को ऐतिहासिक बताया गया।

मीटिंग में लिया निर्णय: पक्षियों के पानी के लिए जन कल्याण मंच कुरुक्षेत्र राहगीरों को बांटेगा कसोरे

अमन लेखनी समाचार

कुरुक्षेत्र। आज स्थानीय निजी होटल नजदीक ब्रह्मासरोवर के सभागार में जन कल्याण मंच कुरुक्षेत्र की एक महत्वपूर्ण बैठक संस्था के प्रधान दलबीर सिंह मलिक की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का संचालन महासचिव सरदार बलदेव सिंह सैनी ने किया। बैठक में कई गंभीर मामलों पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश दत्त शर्मा ने कहा कि आजकल धूप बहुत तेज हो रही है और बाहर पड़ा पानी सूख रहा है इसलिए पक्षियों की जान बचाने हेतु लोगों के बीच में जाकर प्रेरित किया जाए तथा पानी के लिए संस्था की ओर से कसोरे बांटे जाएं । संस्था के आडिटर के.सी.वर्मा व मुख्य सलाहकार राजकुमार वालिया ने कहा कि संस्था की सदस्यता में वृद्धि करने के लिए सभी सदस्य हर संभव प्रयास करें। कोषाध्यक्ष धर्म सिंह जोगनाखेड़ा ने सभी सदस्यों से काटी गई सदस्यता का ब्यौरा एकत्रित किया। प्रेस प्रवक्ता शिव किरमच ने प्रतिभाशाली बलिकाओं को सम्मानित करने के लिए सूची बनाने की ज़िम्मेदारी ली। प्रचार सचिव संजय शर्मा ने पक्षियों के पानी के लिए कसोरे खरीदने तथा सभी सदस्यों के सहयोग से बांटने की जिम्मेदारी ली। प्रोजेक्ट एडवाइजर हेमंत यादव तथा सलाहकार स्वतंत्र शर्मा ने बैठक में सभी से आग्रह किया किया कि जुलाई-अगस्त के महीने में संस्था द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम चलाया जाए। सभी विषयों पर बैठक में सभी सदस्यों ने अपनी सहमति जताई। संस्था के प्रधान दलबीर सिंह मलिक ने संस्था द्वारा जनवरी 2026 से अप्रैल 2026 तक किए गए कार्यों का ब्यौरा विस्तार से दिया गया। इस अवसर पर प्रधान दलबीर मलिक के अतिरिक्त सरदार बलदेव सिंह सैनी, रमेश दत्त शर्मा, राजकुमार वालिया, के.सी.वर्मा, धर्म सिंह जोगनाखेड़ा, हेमंत यादव,शिव किरमच, संजय शर्मा, स्वतंत्र शर्मा ने भी बैठक को संबोधित किया और अपने बेहतरीन सुझाव समाज हित में दिए।

भाजपा की प्रचंड जीत पर हरदोई में जश्न,

ममता दीदी हटी, झालमुड़ी बटी के नारों से गूंजा माहौल

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत का उत्साह जनपद हरदोई में देखने को मिला। सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर जोरदार विजय उत्सव मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं का जोश उस समय चरम पर पहुंच गया, जब उन्होंने ममता दीदी हटी, झालमुड़ी बटी जैसे अनोखे नारों के साथ अपनी खुशी का इजहार किया। भाजपा कार्यालय पर आयोजित जश्न के दौरान कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर खुशी जताई और एक-दूसरे को झालमुड़ी खिलाकर जीत का उत्सव मनाया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष आकाश सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रितेश दीक्षित, संदीप सिंह सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने तीन राज्यों में मिली जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और सुशासन की जीत बताया। उन्होंने कहा कि जनता ने भय और तुष्टीकरण की राजनीति को नकारते हुए विकास और विश्वास को चुना है, जिसका असर देशभर में देखने को मिल रहा है। वक्ताओं ने पश्चिम बंगाल की राजनीतिक परिस्थितियों पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि ममता दीदी हटी, झालमुड़ी बटी का नारा बदलाव का संकेत है। उनका कहना था कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में भी भयमुक्त और विकासपरक शासन स्थापित होगा तथा राज्य मुख्यधारा से जुड़कर प्रगति की दिशा में आगे बढ़ेगा। माधवगंज बीजेपी की तीन राज्यों में बम्पर जीत को लेकर कार्यकर्ताओ में मिठाई बांटकर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को बधाई दी। कस्बे में उत्तर प्रदेश उधोग व्यापार मंडल के प्रदेश मंत्री नवल माहेश्वरी ने सोमवार को अपने प्रतिष्ठान पर पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने व प्रचंड बहुमत मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। व्यापारी नेता ने कहा कि बंगाल में सनातनियो की विजय हुई है ममता की दमनकारी सरकार का अंत हुआ है। यह जीत भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत लगन की वजह से हासिल हुई है इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता अभय शंकर शुक्ला, पूर्व चेयरमैन उमेश माहेश्वरी, कमल माहेश्वरी, केपी सिंह भदौरिया, सभासद बालगोविंद गुप्ता, सभासद सीमा सिंह अर्कवंशी, पूर्व सभासद विनोद गुप्ता, नरेश कुशवाहा, कृष्ण कुमार, सुशील सिंह, प्रमोद जैन, पिंटू गुप्ता, विनोद सैनी, ब्रजमोहन आदि लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने बुढ़िया माई के दरबार में टेका मत्था

अमन लेखनी समाचार

गाजीपुर। जखनियां तहसील स्थित सिद्धपीठ हथियाराम मठ जाकर नव नियुक्त डीएम अनुपम शुक्ला ने बुढ़िया माई के दरबार में मत्था टेका और उनका आशीर्वाद लिया। इस मौके पर गाजीपुर जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने कहा कि संत महात्माओं का आशीर्वाद मिलना हमारे लिए शौभाग्य की बात है। धार्मिक स्थलों पर जाने के बाद सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस दौरान महामंडलेश्वर भवानी नंदन यति महाराज ने डीएम अनुपम शुक्ला को आशीर्वचन दिया और उनके सफल कार्यकाल की शुभ कामना की।

कुर्सी नहीं जिम्मेदारी संभालें

गौरतलब है कि गाजीपुर जिले के नव नियुक्त जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला कार्यभाल सम्हालते ही प्रशासनिक अधिकारियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा है कि तहसील और ब्लॉक स्तर पर जन शिकायतों का तत्काल निस्तारण हो, जिससे जनता को बार बार जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। डीएम ने अधिकारियों से कहा है कि वे कुर्सी नहीं बल्कि जिम्मेदारी संभालें, जिससे कि जनता को उन पर भरोसा हो।

CEIR पोर्टल के माध्यम से 336 खोए मोबाइल फोन बरामद कर स्वामियों को लौटाए गये

साइबर क्राइम के क्षेत्र में सोनभद्र पुलिस की बड़ी सफलता।

12.03.2026 से अब तक 66 पीड़ितों को 27,26,442/- की धनराशि कराई गई वापस।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। साइबर अपराधों की रोकथाम, खोए/गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी तथा आमजन को त्वरित तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में सघन अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जनपद पुलिस को उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। उक्त अभियान के तहत सर्विलांस सेल, एसओजी टीम तथा जनपद के समस्त थानों की संयुक्त टीमों द्वारा CEIR पोर्टल के माध्यम से तकनीकी विश्लेषण एवं सतत मॉनिटरिंग करते हुए माह मार्च 2026 से अब तक कुल 336 खोए मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 65 लाख बताई जारही है सफलतापूर्वक ट्रेस कर बरामद किए गए। बरामद किए गए मोबाइल फोन को विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किया गया। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रूणवाल द्वारा पीड़ितों को मोबाइल फोन वितरित किए गए। अपने बहुमूल्य मोबाइल पुनः प्राप्त होने पर नागरिकों द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि माह फरवरी 2026 में भी 151 मोबाइल फोन बरामद कर लौटाए गए थे। इसी क्रम में साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक (नोडल साइबर क्राइम) अनिल कुमार के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी (सहायक नोडल साइबर क्राइम) हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में जनपदीय साइबर सेल/साइबर क्राइम पुलिस थाना एवं साइबर हेल्प डेस्क द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की गई। परिणामस्वरूप दिनांक 12.03.2026 से अब तक साइबर ठगी से प्रभावित 66 पीड़ितों की कुल 27,26,442/- की धनराशि उनके बैंक खातों में सुरक्षित वापस कराई गई है। इसके अतिरिक्त, माह फरवरी 2026 (01.02.2026 से 11.03.2026) के दौरान 86 पीड़ितों की 35,86,160/- की धनराशि भी वापस कराई जा चुकी है। यह सफलता ठउफढ पोर्टल पर सतत निगरानी, साइबर हेल्पलाइन 1930 पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित संज्ञान, संदिग्ध खातों को तत्काल होल्ड कराना, डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण तथा बैंकों के साथ समन्वय के माध्यम से प्राप्त की गई है।

छत्रसाल बुन्देला की जयंती पर श्रद्धासुमन किए अर्पित

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर। देशभक्तों की देश के प्रति भूमिका के मद्देनजर वर्णिता संस्था के तत्वावधान में विमर्श विविधा के अन्तर्गत जिनका देश ऋणी है के तहत संस्था के अध्यक्ष डा भवानीदीन ने मध्य काल के महान सूरमा छत्रसाल बुन्देला की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि महाराज छत्रसाल की देश के प्रति भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है, ये सही मायने में बुन्देलखण्ड केसरी थे, ये बुन्देलखण्ड के संस्थापक भी थे, इनका जन्म 04मई 1649 को टीकमगढ़ के मोर पहाड़ी में चम्पतराय और लालकुंवरि के घर हुआ था, 12 वर्ष में इनके ऊपर से माता पिता की छाया हट गयी थी, इन्होंने अपने जीवन काल में 52 युद्ध जीते, इन्होंने मुगल शासक औरंगजेब को हराया था, इनकी राजधानी पन्ना थी, इनके राज्य का विस्तार काफी था, कालांतर में इनका 20 दिसंबर 1731 को निधन हो गया था, कार्यक्रम में सिद्धा, महावीर प्रजापति इलेक्ट्रीशियन, रिचा, दयाराम सोनकर, पंकज सिंह, भोलू सिंह, बाबूलाल, प्रेम, सागर, सतेन्द्र और अजय गुप्ता आदि शामिल रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना चोपन का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

रिक्रूट आरक्षियों/महिला आरक्षियों को ब्रीफ किया गया तत्पश्चात पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायजा

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार द्वारा थाना चोपन का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, अभिलेखों की गुणवत्ता, मालखाना, हवालात, सीसीटीवी व्यवस्था, थाना परिसर की साफ-सफाई सहित अन्य प्रशासनिक एवं सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के क्रम में थाना चोपन में नियुक्त रिक्रूट आरक्षियों/महिला आरक्षियों के कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्हें ड्यूटी के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों, कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए अनुशासन, सतर्कता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। तत्पश्चात अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय द्वारा थाना चोपन क्षेत्रान्तर्गत पर्याप्त पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा आमजन में सुरक्षा का विश्वास सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

60 की उम्र में किसी पर निर्भर होना नर्क से भी बदतर : माधवन

नई दिल्ली। आर माधवन ने बढ़ती उम्र, जीवन की प्लानिंग और तेजी से बदलती दुनिया में रिलेवेंट बने रहने की चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की है। आपके जीवन के पहले 30 साल प्लान्ड होते हैं। अगले 30 साल करियर और परिवार बनाने के बारे में होते हैं। लेकिन, 60 साल की उम्र में एक ठहराव आ जाता है। अगले 30 साल का कोई भविष्य तय नहीं होता। कोई योजना नहीं होती। जब उनसे उनके सबसे बड़े डर के बारे में पूछा गया, तो एक्टर ने खुलकर जवाब दिया। उन्होंने स्वीकार किया, 'मेरा सबसे बड़ा डर किसी पर निर्भर होना है, शारीरिक या आर्थिक रूप से। यह मेरे लिए नरक से भी बदतर है। उन्होंने बुढ़ापे में गरिमा और योगदान के महत्व के बारे में भी बात की।'

लाइफ Style

तारा

कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत को करेंगी रिप्रेजेंट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया साल 2026 में अपने पहले कान्स फिल्म फेस्टिवल डेब्यू के लिए तैयार हैं। खबरें हैं कि वो ग्लोबल मंच पर भारत को रिप्रेजेंट करती नजर आएंगी। तारा सुतारिया इन दिनों अपनी फिल्म 'टॉक्सिक को लेकर चर्चा में हैं।

अब उन्हें लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। तारा सुतारिया 2026 में 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म टॉक्सिक से पहले तारा 2026 के कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत को रिप्रेजेंट करतीं नजर आने वाली हैं। अपनी आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच तारा सुतारिया अपने कॅरियर के एक नए और बड़े दौर में कदम रखने के लिए तैयार नजर आ रही हैं, जो सिर्फ भारतीय फिल्म इंडस्ट्री तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस 2026 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने जा रही हैं, जो उनके ग्लोबल सफर का बड़ा पड़ाव माना जा रहा है। टॉक्सिक से पहले तारा सुतारिया कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में डेब्यू करेंगी और ग्लोबल मंच पर भारत को रिप्रेजेंट करेंगी. टॉक्सिक पहले ही चर्चा में है, और यह डेब्यू उनके करियर के एक बड़े इंटरनेशनल दौर की शुरुआत माना जा रहा है। कान्स डेब्यू को लंबे समय से उन कलाकारों के लिए एक बड़े पड़ाव के तौर पर देखा जाता है, जो इंटरनेशनल पहचान बनाना चाहते हैं, और तारा सुतारिया के लिए यह मौका ऐसे समय पर आया है जब उनके काम के चुनाव लगातार लोगों का ध्यान खींच रहे हैं।

हॉलीवुड मसाला

फ्री कॉन्सर्ट में लाखों लोग हुए शामिल

लॉस एंजिल्स। वाका वाका फेम इंटरनेशनल सिंगर शकीरा के एक फ्री कॉन्सर्ट में फैंस का मेला लग गया। अनुमान है कि लगभग 20 लाख लोग इस शो में शामिल हुए। सोशल मीडिया पर शकीरा के शो का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। लैटिना पॉप सिंगर शकीरा ने शनिवार रात यानी 2 मई को ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में कोपाकबाना बीच पर एक फ्री कॉन्सर्ट किया। फैंस शकीरा के गानों पर थिरकते नजर आए। शकीरा का यह फ्री कॉन्सर्ट रियो डी जेनेरियो के सिटी हॉल की एक पहल का हिस्सा है।

लॉस एंजिल्स में हुई सिटाडेल 2 की स्क्रीनिंग

लॉस एंजिल्स। लॉस एंजिल्स में 'सिटाडेल 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग में प्रियंका चोपड़ा ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने ब्लैक रंग की खूबसूरत कढ़ाई वाली ट्रांसपेरेंट ड्रेस पहनी थी। प्रियंका हमेशा की तरह इस बार भी रेड कार्पेट पर बोल्ड और एलिगेंट नजर आईं। 'सिटाडेल 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग लॉस एंजिल्स के एजीबीओ स्टूडियो में हुई। प्रियंका के साथ फिल्म के सह-कलाकार स्टैनली टुची और एशले कमिंग्स भी मौजूद थे। स्क्रीनिंग के बाद एक सवाल-जवाब भी रखा गया, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा प्रियंका की ड्रेस की रही। 'सिटाडेल 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान प्रियंका ने ब्लैक ट्रांसपेरेंट ड्रेस पहनी। इसमें फुल स्लीव्स और हाई नेकलाइन थी। ऊपरी हिस्सा बॉडी-फिट ड्रेस के साथ रहा, जबकि ड्रेस का नीचे हिस्सा ट्रांसपेरेंट और चमकदार लेस वाली स्कर्ट जैसा है।

इंटीमेट सीन कम करने की मांग

मुंबई। कियारा आडवाणी की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर एक नई खबर सामने आई है। स्क्रीन पर फिल्म देखने के बाद कियारा ने मेकर्स से कुछ इंटीमेट सीन कम करने या काट देने की मांग की है। यश और कियारा आडवाणी स्टारर 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन अप्स' इन दिनों फिर चर्चा में आ गई है। हाल ही में फिल्म से जुड़ा एक नया विवाद सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। बताया जा रहा है कि फिल्म के ट्रेलर और बोल्ड सीन्स को देखने के बाद कियारा आडवाणी ने इंटीमेट सीन को कम करने की मांग की है। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब फिल्म में बोल्ड सीन्स शूट किए गए थे, तब कियारा को भरोसे के साथ कहा गया था कि इसकी शूटिंग उनके कंफर्ट के हिसाब से ही होगी।

टोपी खुद पहनो, किसी को पहनाओ नहीं

मुंबई। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच रविवार को सलमान ने अपनी कुछ खास तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल जीत लिया है। इन तस्वीरों के साथ सलमान ने अपने फैंस को एक खास सलाह भी दी है। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ सलमान ने काम को लेकर सलाह दी है। सलमान ने कैप्शन में लिखा, 'यह किसी भी फील्ड के लिए है। पहले सोच लो, समझ लो, स्पष्ट हो जाओ, फैसला कर लो और सब कुछ भूलकर आगे बढ़ो।' सलमान ने आगे लिखा, 'टोपी से याद आया-टोपी खुद पहनो, किसी को पहनाना नहीं और न किसी को पहनने दो।' सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर इन तस्वीरों को शेयर किया है।

टीवी मसाला

डर का नया दौर... खतरों से खेलने आ रहे हैं 12 खिलाड़ी

नई दिल्ली। स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी सबसे पसंदीदा रियलिटी शोज में से एक है। पिछले साल किसी कारण से 15वां सीजन नहीं आ पाया था लेकिन अब आखिरकार नया सीजन नए ट्विस्ट एंड टर्न के साथ लौटकर आ रहा है। इस बार खतरा पहले से भी ज्यादा खतरनाक होने वाला है। काफी दिनों से खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 को लेकर चर्चा हो रही थी। यहां तक कि कुछ कंटेस्टेंट्स हिंट्स के जरिए फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा रहे थे। अब आखिरकार शो की ऑफिशियल कंटेस्टेंट्स लिस्ट सामने आ गई है, साथ ही शो की पहली झलक भी रिवील कर दी गई है। रविवार को खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 की ऑफिशियल अनाउंसमेंट हो गई है, साथ ही सभी खिलाड़ियों के नाम भी जारी कर दिए गए हैं। इस बार शो की टैगलाइन 'डर का नया दौर' रखी गई है। इस बार शो में बिग बॉस सीजन 19 के दो धुरंधर होंगे, जिनका शो में खट्टा-मीठा बॉन्ड रहा और वह फरहाना भट्ट और गौरव खन्ना हैं। फरहाना और गौरव के अलावा खतरों के खिलाड़ी शो में टीवी जगत के कई बड़े धुरंधर खतरों से खेलते हुए नजर आएंगे जिसमें करण वाही, ऋत्विक धनजानी, विशाल सिंह, अविनाश तिवारी, सोशल मीडिया स्टार ओरी, जैस्मिन मसीन, हर्ष गुजराल, अविका गौर, शगुन शर्मा और रुबीना दिलैक हैं। सभी कंटेस्टेंट्स के ग्राफिक वीडियो शेयर किया गया है। खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 कब शुरू होगा और इसकी शूटिंग कहां होगी, अभी तक इसको लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

बैटलग्राउंड 2 बना जंग का अखाड़ा

नई दिल्ली। हाल ही में मेंटर के तौर पर रियलिटी शो 'बैटलग्राउंड 2' में एक्ट्रेस निक्की तंबोली की एंट्री हुई। इस शो में पहले से ही मेंटर के तौर पर भोजपुरी स्टार खेसारी लाल एक टीम को सपोर्ट कर रहे हैं। रियलिटी शो 'बैटलग्राउंड 2' के अपकमिंग एपिसोड में खेसारी और निक्की तंबोली आपस में भिड़ गए। शो 'बैटलग्राउंड 2' के हालिया रिलीज प्रोमो में खेसारी लाल यादव निक्की तंबोली और उनकी टीम पर गेम में बेईमानी करने का आरोप लगाते दिखे। वह बोले- 'बड़े गिरे हुए लोग हैं।' वह आगे कहते हैं, 'पूरी दुनिया देख रही है, आपका कारनामा।' लेकिन निक्की कहती हैं कि गेम के लिए एक साथ होकर खेलना जरूरी है। खेसारी लाल यादव के अलावा 'बैटलग्राउंड 2' के अन्य मेंटर अभिषेक मल्हान उर्फ पुकरा इसान ने भी निक्की तंबोली को खरी-खोटी सुनाई। इससे पहले भी निक्की और अभिषेक के बीच झगड़ा हो चुका है, जिसमें निक्की ने अभिषेक को खूब उल्टा-सीधा कहा था। बैटलग्राउंड 2 एक इंडियन फिटनेस रियलिटी शो है।

एआई से बनी फिल्मों को बड़ा झटका!

ऑस्कर के नियमों में हुए बदलाव; बढ़ाई गई फिल्म की ये कैटेगरी

नई दिल्ली। अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने ऑस्कर के लिए कई बड़े नियमों में बदलाव का ऐलान किया है। इससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल पर क्लैरिटी आई है। ऑस्कर ने खास कैटेगरी में कई बदलाव किए हैं। द हॉलीवुड रिपोर्टर के मुताबिक, अपनी नई घोषणा में, अकादमी ने कहा है कि एआई का इस्तेमाल करके बनाई गई फिल्में अवॉर्ड के योग्य नहीं होंगी। सिर्फ इंसानी अदाकारी वाली फिल्में ही क्वालिफाई होंगी। यह कदम फिल्मों में एआई के इस्तेमाल को लेकर बढ़ते सवालों के बाद उठाया गया है। अकादमी ने यह भी कहा कि राइटिंग कैटेगरी के लिए सिर्फ इंसानों की तरफ से लिखे गए स्क्रीनप्ले पर ही विचार किया जाएगा। उसने यह भी कहा कि वह फिल्ममेकर्स से इस बारे में और जानकारी मांग सकती है कि उनके प्रोजेक्ट में एआई का इस्तेमाल कैसे किया गया है। इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में अहम बदलाव हुए हैं। पहले, हर देश विचार के लिए सिर्फ एक फिल्म भेज सकता था। अब, फिल्में कान्स, बर्लिन, सनडांस, टोरंटो, वेनिस और बुसान जैसे बड़े ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल में टॉप अवॉर्ड जीतकर भी क्वालीफाई कर सकती हैं। इसका मतलब है कि एक ही देश की एक से ज्यादा फिल्मों को रेस में शामिल होने का मौका मिलेगा। एक और बड़ा बदलाव यह है कि इस कैटेगरी में अवॉर्ड अब देश के बजाय फिल्म के डायरेक्टर को मिलेगा। एक्टिंग कैटेगरी में एक बड़ा बदलाव यह है कि एक्टर अब एक ही कैटेगरी में अलग-अलग परफॉर्मेंस के लिए कई नॉमिनेशन पा सकते हैं। पहले, एक एक्टर की सिर्फ एक परफॉर्मेंस को नॉमिनेट किया जा सकता था।

लता ने हॉरर थ्रिलर के लिए गाया था कल्ट गाना, भूतनी को दी थी आवाज

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा की मशहूर गायिका के तौर पर लता मंगेशकर को जाना जाता था। बेशक आज वह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा गाए गए एक से बढ़कर एक गीत हर कोई सुनना पसंद करता है। इस बीच हम आपको लता दीदी के एक 64 साल पुराने एक ऐसे सॉन्ग के बारे में बताने जा रहे हैं, जो उन्होंने एक हॉरर थ्रिलर फिल्म के लिए गाया था। सुरों की कोकिला का ये गीत आज भी कल्ट माना जाता है। साल 1962 में हिंदी सिनेमा की एक चर्चित हॉरर थ्रिलर फिल्म को रिलीज किया गया था। फिल्म का नाम बीस साल बाद था, जिसमें एक्टर विश्वजीत चटर्जी और अभिनेत्री वहीदा रहमान ने मुख्य भूमिकाओं को अदा किया। इस मूवी की कहानी के साथ-साथ गाने भी काफी चर्चित रहे। जिनमें से एक गाना लता मंगेशकर ने गाया था, जिसके बोल थे- कहीं दीप जले कहीं दिल...।

हेमंत ने संगीत की धुनों को पिरोया था

इस गाने को बीस साल बाद में भूतनी पर फिल्माया गया था। बेशक ये एक डरावना गाना था, लेकिन लता मंगेशकर ने अपनी मधुर आवाज में जिस तरह से इस गाने को गाया, वह वाकई काफी शानदार रहा। गौर किया जाए इस गीत की मेकिंग की तरफ तो लता के अलावा संगीतकार हेमंत कुमार ने इसमें अपनी संगीत की धुनों को पिरोया था, जबकि गीतकार शकील बदायूनी ने इसके लिरिक्स लिखे थे। इस तरह से बीस साल बाद कहीं दीप जले कहीं दिल... बनकर तैयार हुआ था। रिलीज के 64 साल बाद भी लता दीदी के आवाज में गाया हुआ ये सॉन्ग कालजयी बना हुआ है, जिसे श्रोता आज भी सुनना पसंद करते हैं।

कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में किया है काम

20 साल से बॉलीवुड से लापता है ये स्टार, अब तक नहीं मिला कोई सुराग

नई दिल्ली। बॉलीवुड पर जितनी कहानियां पर्दे पर दिखती हैं उससे ज्यादा दिलचस्प कहानियां पर्दे के पीछे की होती हैं। आज हम एक ऐसे एक्टर के बारे में बात करने जा रहे हैं जिन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया और भारतीय सिनेमा का जाना पहचाना चेहरा बने। लेकिन, एक दिन वे सबकुछ छोड़कर चले गए और 20 सालों से ज्यादा होने के बाद आज भी उनका कोई पता नहीं है। एक समय था जब उनका चेहरा पूरे भारत के घरों में जाना-पहचाना लगता था; वे ऐसे अभिनेता थे जिन पर शायद आप तुरंत ध्यान नहीं देते थे, लेकिन फिल्म खत्म होने के काफी समय बाद भी वे आपको किसी न किसी तरह याद रह जाते थे। हम बात कर रहे हैं राज किरण की, जिनकी कहानी एक बिल्कुल ही अलग अंदाज में लोगों के जहन में बसी हुई है... उनकी अवकारी की वजह से नहीं, बल्कि एक ऐसे रहस्य की वजह से जो पिछले दो दशकों से भी ज्यादा समय से अनसुलझा है।

कर्ज और अर्थ फिल्मों से मिली पहचान

राज किरण, जिन्हें मुख्य रूप से कर्ज और 'अर्थ' जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जाना जाता है, ने 1970 के दशक के आखिर और 1980 के दशक के दौरान हिंदी सिनेमा में अपनी एक मजबूत जगह बनाई। उन्होंने 1975 में फिल्म कागज की नाव से अपने कॅरियर की शुरुआत की और जल्द ही किस्सा कुर्सी का में नजर आए; यह एक राजनीतिक व्यंग्य फिल्म थी, जिसे आपातकाल के दौरान प्रतिबंधित कर दिया गया था।

जिंदगी में आया मुश्किल मोड़

1980 के दशक में, राज कई फिल्मों में नजर आए और धीरे-धीरे एक भरोसेमंद एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। लेकिन, 1990 के दशक की शुरुआत तक, उनके कॅरियर में बदलाव आने लगा और उन्हें ज्यादातर सहायक भूमिकाएं मिलने लगीं। 1990 के दशक के मध्य के आस-पास, उन्होंने कुछ समय के लिए फिल्मों से दूरी बना ली, और इसी दौर में उनकी जिंदगी में एक मुश्किल मोड़ आया।

बेटी ने आखिरी बार 2003 में देखा था

परिवार के सदस्यों, सहकर्मियों और यहां तक कि अधिकारियों द्वारा कई कोशिशें किए जाने के बावजूद, 2000 के दशक की शुरुआत से राज किरण का कोई भी पक्का सुराग नहीं मिला है। उनकी बेटी के अनुसार, उन्होंने राज को आखिरी बार 2003 में देखा था। 20 साल से भी ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी यह सवाल बना हुआ है, जिससे एक समय के जाने-पहचाने चेहरे की कहानी बॉलीवुड के सबसे बड़े अनसुलझे रहस्यों में से एक बन गई है।

जब आश्रम में घुसने की कोशिश में हुई जेल

1996 में, एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें बेंगलुरु सेंट्रल जेल में रखा गया था; बताया जाता है कि पुट्टपर्थी साई बाबा आश्रम में बिना इजाजत घुसने की कोशिश करने के बाद उन्होंने वहां लगभग एक महीना बिताया था। डेक्कन हेराल्ड के अनुसार, उन्होंने रात के समय आश्रम परिसर में घुसने की कोशिश में एक ट्रैक्टर और एक सीढ़ी का इंतजाम किया था। बाद में, उनके पिता ने जमानत दिलवाकर उन्हें जेल से बाहर निकलवाया। इसके कुछ ही समय बाद, उन्हें वापस उनके मुंबई वाले घर पर देखा गया, और ऐसी खबरें थीं कि उन्होंने अपने भाई गोविंद के साथ कुछ समय अमेरिका में बिताया था और वापस लौटने की योजना बना रहे थे। हालांकि, इस दौरान उनसे मिलने वाले लोगों के बयानों से पता चलता है कि शायद वे कुछ निजी मुश्किलों से गुजर रहे थे। ये बातें परिवार के सदस्यों और फिल्ममेकर महेश भट्ट के बयानों पर आधारित हैं।

महेश ने बताई थी उनकी मानसिक स्थिति

महेश भट्ट ने मुंबई के एक मेंटल हेल्थ सेंटर में राज से हुई अपनी मुलाकात की यादें साझा कीं थीं। उन्होंने बताया था कि, ' कई साल पहले, जब वे मसीना अस्पताल के साइकियाट्रिक वार्ड में थे। वे उस राज किरण जैसे बिल्कुल नहीं थे जिनसे मैं पहले मिला था। वे एक उदास और डिप्रेस्ड इंसान लग रहे थे, और उन्होंने बड़ी मुश्किल से मुझसे बात की। अभिनेत्री दीप्ति नवल, जिन्होंने उनके साथ 'हिप हिप हुर्रे' में काम किया था, ने भी 2011 में एक सार्वजनिक अपील की थी। उन्होंने लोगों से राज को ढूंढने में मदद करने का आग्रह किया था, क्योंकि उन्हें पता चला था कि शायद वह न्यूयॉर्क में टैक्सी चला रहे थे।